PHM
Prime Heritage Morning
News

प्राइम हेरिटेज मॉर्निंग

PRIME HERITAGE MORNING

हिन्दी मासिक

गाजियाबाद, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, बुलंदशहर, अनूपशहर, आगरा, लखनऊ से एक साथ प्रसारित

सम्पादक-
ललित कुमार शर्मा

मई 2025 (गाजियाबाद)

TITLE CODE- UPHIN49692

वर्ष-5, अंक-9, पृष्ठ-8, मूल्य : 20 रूपये

पहलगाम हमलाः तनाव और बढ़ा तो अमेरिका किस तरफ होगा, भारत या पाकिस्तान?

पीएचएम संवाददाता

चीन ने भी घटना की कड़ी निंदा की है और कहा है कि वो आतंकवाद के खिलाफ है। हालांकि जानकार ये मानते हैं कि मौजूदा भूराजनीतिक स्थिति को देखते हुए चीन इस विवाद से दूरी बनाए रखना चाहेगा।

चीन और पाकिस्तान के बीच करीबी रही है और हाल के समय में भारत का चीन के साथ सीमा विवाद भी सुर्खियों में रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के माहौल में आमतौर पर अमेरिका का रुख पुराने समय में पाकिस्तान के साथ देखा गया है, इसमें सबसे उल्लेखनीय मामला साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का है। लेकिन मंगलवार को पहलगाम में हुए हमले के बाद अमेरिका ने खुलकर भारत को अपना समर्थन दिया है। अमेरिकी नेताओं ने क्या कहा......

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर चरमपंथी हमला हुआ था। इस हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य कई लोग घायल हो गए। हमले में ज़्यादातर पीड़ित पर्यटक थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पहलगाम में हुए चरमपंथी हमले के बारे में लिखा, "कश्मीर से अत्यंत दुखद खबर आ रही है। आतंक की इस लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हमारा पूर्ण समर्थन है और गहरी सहानुभूति है।" जिस समय पहलगाम में हमला हुआ, उस वक़्त अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत की यात्रा पर थे। उन्होंने भी इस हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना जताई। वेंस ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, "उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। इस भयानक हमले में हमारे संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।" इससे पहले अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोशल मीडिया एक्स पर भारत को अमेरिकी समर्थन की बात दोहराई है। तुलसी गबार्ड ने लिखा, "हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए भीषण इस्लामी चरमपंथी हमले के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता से खड़े हैं। मेरी प्रार्थनाएं और गहरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। इस जघन्य हमले के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई में हम आपके साथ हैं।" पहलगाम हमले के बाद बुधवार को भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों के वीज़ा सस्पेंड करने, अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को बंद करने और सिंधु जल संधि को निलंबित करने जैसे कई बड़े फ़ैसले लिए। इसके जवाब गुरुवार को पाकिस्तान ने भी कई कदम उठाए। इसमें भारतीय नागरिकों को पाकिस्तान से वापस जाने को कहने, वाघा सीमा और पाकिस्तान के एयरस्पेस को बंद करने का फ़ैसला शामिल है। इसके अलावा पाकिस्तान ने शिमला समझौते समेत दोनों देशों के बीच हुए सारे द्विपक्षीय समझौते निलंबित कर दिए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां राजनयिक स्टाफ की संख्या को भी कम करने का फ़ैसला किया है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र ने भी दोनों देशों को संयम बरतने की सलाह दी है। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पहलगाम में हुए चरमपंथी हमले की निंदा की। और कहा कि दोनों देशों को अधिकतम संयम बरतना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोनों देशों के बीच स्थिति और ज़्यादा न बिगड़े। संगठन ने महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफ़न दुजारिक ने कहा कि पिछले 24 घंटों में महासचिव का किसी भी सरकार के साथ 'सीधा संपर्क नहीं हुआ है।' लेकिन वे चिंतित हैं और 'स्थिति पर नजर रख रहे हैं।'

जातिगत जनगणना कराएगी केंद्र सरकार

बिहार चुनाव के पहले विपक्ष से मुद्दा छीना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम जनगणना के साथ-साथ जातिगत जनगणना कराने का निर्णय कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले केंद्र सरकार की ओर से खेला गया यह बड़ा दांव हो सकता है। राहुल गांधी जातिगत जनगणना को लेकर जिस तरह लगातार आक्रामक रुख अपनाते आ रहे थे, 2029 के आम चुनाव में यह बड़ा मुद्दा बन सकता था। लेकिन केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का वादा कर कांग्रेस के हाथ से यह मुद्दा छीन लिया है। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सबसे अधिक मुखर रुख कांग्रेस ने ही अपनाया था। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी पूरे देश में जातिगत जनगणना कराने की बात कही थी। बिहार में जाने के बाद भी उन्होंने अपनी इस बात को दोहराया था। कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आई तो उसने वहां भी जातिगत सर्वे कराया। इस पर उसके अपने नेताओं में कुछ मतभेद अवश्य हैं, लेकिन कांग्रेस यह संदेश देने में सफल रही कि वह इस मुद्दे पर गंभीर है। वहीं, कांग्रेस की तेलंगाना सरकार ने ओबीसी समुदाय के आरक्षण में भी बढ़ोतरी कर दी है। इससे भी कांग्रेस यह संदेश देने में सफल रही है कि यदि

वह केंद्र में सत्ता में आती है तो वह पूरे देश में जातिगत जनगणना कराएगी। वह जातिगत आरक्षण पर भी दबाव बनाने में सफल रही है। कांग्रेस का यह वादा तेलंगाना और कर्नाटक राज्य सरकारों के द्वारा उठाए गए कदमों के कारण जनता के बीच ज्यादा विश्वसनीयता प्राप्त कर सकता था। यदि विपक्ष इसको बड़ा मुद्दा बनाने में सफल रहता तो बिहार चुनाव के साथ-साथ आगामी आम चुनावों में इससे भाजपा को नुकसान हो सकता था। संभवतः यही कारण है कि केंद्र सरकार ने समय को भांपते हुए पहले ही जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया। उत्तर प्रदेश को भाजपा ने गुजरात और मध्य प्रदेश के बाद अपना तीसरा सबसे मजबूत गढ़ मान लिया था। लेकिन पिछले आम चुनाव में अखिलेश यादव ने जैसे ही पीडीए के न्याय की बात की, भाजपा का किला ढह गया। कभी यूपी की 80 में 73 सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा इस चुनाव में केवल 36 सीटों पर सिमट कर रह गई। अखिलेश यादव अभी भी पीडीए के मुद्दे को पूरी मजबूती के साथ पकड़े हुए हैं। वे अभी भी इसी मुद्दे के सहारे भाजपा को यूपी के अगले विधानसभा चुनाव में पछाड़ने की रणनीति बना रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि यूपी में अपनी राजनीतिक पकड़ बनाए रखने के लिए भी भाजपा को इस मुद्दे पर आना पड़ा। भाजपा ने राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे से पूरे देश में जिस तरह अपनी पकड़ मजबूत किया है, विपक्ष के पास कोई दूसरा ऐसा मुद्दा नहीं दिखाई दे रहा था जिससे वह भाजपा के इस तिलिस्म को चुनौती दे सके।

अखिलेश यादव के खिलाफ यूपी में भाजपा का प्रदर्शन

मायावती की चेतावनीः रवैया सुधारें, सांसदः सपाई बाबा साहेब के अपमान के आदी

लखनऊ। बाबा साहेब और अखिलेश यादव की तस्वीरों को आधा-आधा काटकर लगाने पर यूपी की सियासत गरमा गई है। लखनऊ में भाजपा कार्यकर्ता अखिलेश के खिलाफ सड़क पर उतर आए। अखिलेश के खिलाफ नारेबाजी की। सांसद बृजलाल ने कहा- सपाई बाबा साहेब के अपमान के आदी हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने पोस्टर को लेकर अखिलेश यादव को चेतावनी दी। कहा- आतंकी हमले हों या बाबा साहेब की विरासत पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। इस समय हमें एकजुट होने की जरूरत है। अगर यही रवैया रहा तो इससे सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे। इसकी आड़ में पोस्टरबाजी और बयानबाजी के जरिए घिनौनी राजनीति नहीं की जानी चाहिए। वाराणसी, मेरठ, कानपुर समेत कई शहरों में भाजपाई काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- यह बाबा साहेब के विचारों और पूरे दलित समाज का अपमान है। सपा की दूषित मानसिकता उजागर हो गई है।

लखनऊ के भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने अखिलेश यादव पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- उनको तो अपने दिमाग का इलाज कराना चाहिए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी सपा और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा- आतंकी हमले हों या बाबा साहब की विरासत, इन पर राजनीति करने के बजाय एकता की जरूरत है। अगर यही रवैया रहा तो इससे सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी को जीवन पर सवाल खड़े करते हुए कहा- यह बाबा साहब के विचारों और पूरे दलित समाज का अपमान है। सपा की दूषित मानसिकता उजागर हो गई है।

राहुल पहलगाम में मारे गए शुभम के परिवार से मिले

कानपुर। राहुल गांधी के यूपी टूर का बुधवार को दूसरा दिन है। आज उन्होंने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशान्या राहुल को देखकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उन्हें गले लगा लिया और सांत्वना दी। शुभम के पिता भी राहुल को देखकर अपने आंसू नहीं रोक पाए। ऐशान्या ने राहुल को पहलगाम में हुई घटना के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मेरे पति को आतंकियों ने गोली मार दी। ऐशान्या ने बताया कि हर जगह सुरक्षा की व्यवस्था थी, लेकिन पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी। ऐशान्या ने राहुल गांधी को बताया- 22 अप्रैल को दोपहर 2.25 बजे हम लोग लंच कर रहे थे। तभी जॉर्मल कपड़ों में एक आतंकी आया। उसने पूछा- हिंदू हो या मुसलमान? हिंदू कहते ही सिर्फ 5 सेकेंड में मेरे पति को गोली मार दी। राहुल ने पूछा- वह सब कितनी देर तक चला? इस पर ऐशान्या ने कहा- करीब 45 मिनट तक आतंकियों ने खून-खराबा किया। वे आराम से लोगों से नाम पूछ-पूछकर

उन्हें मार रहे थे। उन्हें यह टारगेट दिया गया था कि पत्नी के सामने पति की हत्या करनी है। वे महिलाओं से कहते थे कि जाकर अपनी सरकार को बताओ। मैं तुम्हारे पति को मार रहा हूं, तुम्हें नहीं मारूंगा। राहुल ने फिर पूछा- जो लोग घायल थे, वे नीचे कैसे पहुंचे? ऐशान्या ने जवाब दिया- सर, मुझे मेरी बहन पमीटकर नीचे ले आई। आतंकियों ने महिलाओं को छुआ तक नहीं। राहुल ने पूछा- आपने यह सब खुद देखा? इस पर ऐशान्या ने कहा- हां, मैं करीब 15-20 मिनट तक वहां थी। इसके बाद ऐशान्या की बहन ने कहा- मैंने वहां मदद मांगी, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। मेरी बहन शॉक्ड थी। वह रही थी कि वह नहीं जाएगी। मैं जबरन उसे खींचकर नीचे लाई। मैं घोड़े वालों से गिड़गिड़ाई, लेकिन किसी ने मदद नहीं की।

जन संजीवनी ट्रस्ट, मेराकी और बी-जैन ने भलस्वा डेयरी में लगाया सफल स्वास्थ्य शिविर

पीएचएम संवाददाता

दिल्ली। जन संजीवनी ट्रस्ट ने हाल ही में मेराकी के मेडिकल स्वयंसेवकों और बी-जैन के सहयोग से भलस्वा डेयरी (जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के पास) में एक सफल मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। यह शिविर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। इसमें कोजिया, सतीश सर और गौरव जैसे समर्पित स्वयंसेवकों के साथ जन संजीवनी ट्रस्ट की टीम ने मिलकर काम किया। इस प्रयास से 200 से अधिक लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच, बुनियादी चिकित्सा सलाह और जरूरी दवाएं मिलीं। जन संजीवनी ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा कि यह शिविर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने मेराकी और बी-जैन के स्वयंसेवकों और सभी सहायकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद के बिना इतने सारे लोगों तक

पहुँचना मुमकिन नहीं था। शिविर में आए लोगों ने मुफ्त चिकित्सा जांच और दवाओं के लिए बहुत धन्यवाद दिया। जन संजीवनी ट्रस्ट, जो पहले से ही भोजन, कपड़े, शिक्षा और पशु कल्याण जैसे क्षेत्रों में काम कर रहा है, इस स्वास्थ्य शिविर के जरिए समुदाय की सेवा करने के अपने प्रयासों को और मजबूत कर रहा है।

विशाखापट्टनम में बारिश से नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार गिरी

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मंगलवार रात श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार का 20 फीट लंबा हिस्सा गिर गया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। मंदिर में चंदनोत्सव चल रहा था। यह हर साल मनाया जाता है। इसमें हजारों श्रद्धालु भगवान नरसिंह के दर्शन के लिए आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा देर रात 2:30 से 3:00 बजे के बीच तेज बारिश के कारण हुआ। कलेक्टर हरेंद्र प्रसाद ने बताया कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने रेस्क्यू पूरा कर लिया है। राज्य की गृह और आपदा प्रबंधन मंत्री वंगालपुडी अनिता भी तुरंत

घटनास्थल पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज और राहत-बचाव में कोई कोताही न हो। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, "लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना है।"

सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर। दो दिनों के दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान 200 से अधिक फरियादियों से मुलाकात की। उन्होंने सभी की समस्याएं सुनीं और तत्काल समाधान का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी कि हर शिकायत का त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करें। लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन का आयोजन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया, जहां मुख्यमंत्री ने खुद फरियादियों के पास जाकर उनकी बात सुनी। इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने वालों को आश्वासन देते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इलाज से जुड़े सभी दस्तावेज शीघ्र तैयार कर शासन को भेजे जाएं।

एक महिला की स्वास्थ्य संबंधी समस्या पर उन्होंने स्पष्ट किया कि इलाज मेडिकल कॉलेज या किसी उच्च स्तरीय अस्पताल में कराया जाए। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने पारदर्शिता और निष्पक्षता की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। भूमि विवादों पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि जबरन कब्जा करने वालों के खिलाफ कानून कार्रवाई की जाए।

पहलगाम हिंदू नरसंहार के विरोध में हिंदू समाज ने किया एकजुट प्रदर्शन

पीएचएम संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में हिंदू समाज द्वारा पहलगाम में हुए हिंदू नरसंहार के विरोध में एक भव्य और शांतिपूर्ण विरोध यात्रा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ सायं 4:00 बजे मनोकामना मंदिर (सेक्टर 16B) से हुआ। यात्रा ग्रीन रेजिडेंसी मार्ग से होते हुए चिपियाना बुजुर्ग सरकारी स्कूल चौक पर पहुँची, जहाँ पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया। इसके उपरांत यात्रा कुत्ते वाला मंदिर तालाब मार्ग से होती हुई वृंदावन गार्डन कॉलोनी में स्थित पार्क पर पूर्ण हुई। इस यात्रा में क्षेत्र के हजारों हिंदू बंधु, माताएं-

बहनें, युवा और वरिष्ठजन सम्मिलित हुए। सभी ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर शांतिपूर्वक अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद की। कार्यक्रम के प्रारंभ में मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा कैंडल जलाकर शांति की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में हिंदू समाज की एकता, जागरूकता और संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

पूरे कार्यक्रम में पूर्ण अनुशासन, गरिमा और शांति का वातावरण रहा। हिंदू समाज ने यह संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध हम संगठित हैं और सदैव धर्म व सत्य के पक्ष में खड़े रहेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह को आयोजकों द्वारा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मजदूरों के महत्व को दशार्ता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानो सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले है तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दशार्ने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं है। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारवेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जावे और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जावे। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में 'वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क' की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह को कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

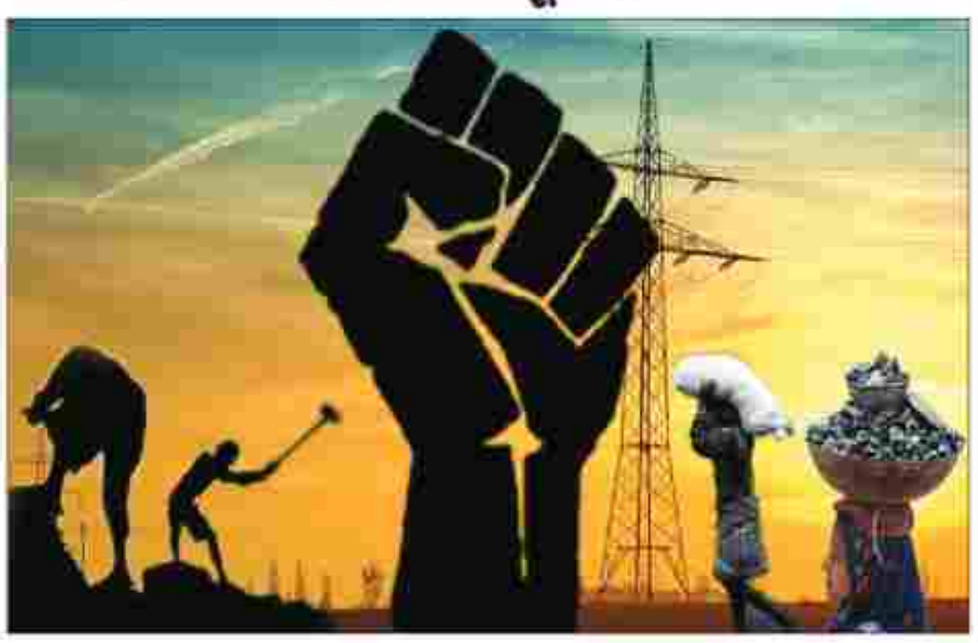

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझें। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुवे हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, वंड छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का किरतन का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ना ही उनको कोई ढंग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करना है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना ही किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। मोटी धूप में खड़े रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नहीं हो पाता है।

देश के कारखानों में काम करने वाले मजदूरों पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनको छटनी कर काम से हटा दे। कारखानों में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानों में श्रम विभाग के मापदण्डों के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिकों द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनों को मजदूरों की बजाय मालिकों की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियनें अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारें मजदूरों के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती हैं। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बातें लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरों के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी है।

मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालों में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले है तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

न जिंदगी रुके न पर्यटन

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने 48 पर्यटन स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि यह फैसला सुरक्षा समीक्षा और आतंकवादियों के विरुद्ध चल रहे तलाशी अभियानों के मद्देनजर किया गया है। जिन पर्यटन स्थलों को बंद किया गया है, उनमें गुरेज घाटी, दूधपत्री, अहरबल, कौसरनाग, कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, गांदरबल, बारामूला और श्रीनगर के कुछ पर्यटन स्थल हैं। लेकिन युद्ध रणनीति यह भी कहती है कि पहलगाम की जघन्य घटना के बाद पर्यटकों के साहस को टूटने नहीं देना चाहिए। यह संदेश किसी भी तरह से नहीं जाना चाहिए कि भारत सरकार, जम्मू-कश्मीर की सरकार, भारत के लोग और विशेषकर कश्मीर के लोग पहलगाम की घटना से आतंकित हो गए हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर धीरे-धीरे शांत हो रहा था और वहां पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में पर्यटकों की चहल-पहल काफी बढ़ गई थी। इसके कारण वहां के स्थानीय लोगों ने होटल और रेस्टोरेंट्स में

अच्छा-खासा निवेश किया है। यहां कोई उद्योग-धंधा नहीं है। पर्यटन ही अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्रोत है लेकिन 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद पर्यटक वहां से पलायन करने लगे हैं। अधिकांश होटल खाली हो गए हैं। इसका कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। गुलमर्ग और सोनमर्ग से भी पर्यटक पलायन करने लगे हैं। पिछले वर्ष जम्मू-कश्मीर में करीब ढाई करोड़ पर्यटक आए थे जिनमें 50 हजार से ज्यादा विदेशी सैलानी थे। इसलिए केंद्र और राज्य सरकार, दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि पर्यटन के लिहाज से भारत के मुकुट कश्मीर का आकर्षण बना रहे। जहां एक ओर उछल-कूद मचाने वाले लोगों के कारण देश का सौहार्द बिगड़ने की आशंका को घटित नहीं होने देना चाहिए तो दूसरी ओर कश्मीर में कश्मीरी लोगों के सहयोग से सुरक्षा को और अधिक चाक-चौबंद करके पर्यटन में रुकावट और गिरावट को रोकने की हर संभव कोशिश करनी चाहिए। आतंकियों को जवाब हमेशा गोलियों से ही नहीं दिया जाता। उनकी आकांक्षाओं और उद्देश्यों को विफल करके भी दिया जाता है। भारत सरकार के लिए यह भी एक युद्धक मोर्चा है जिसे हर हाल में उसे जीतना ही होगा।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, इहलौ अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढकने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरू कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरू कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दाफाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया में वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े हैं।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहुंचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पड़ोसी देश-धर्म के प्रयासों का जवाब उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मूड में हैं। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसले वाले महानायक हैं।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी।

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलूचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिक उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केन्द्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक का निरंतरता जरूरी

संजय गोस्वामी

आज अधिक से अधिक हिंदी विज्ञान संस्थानों का कभी बुरा दौर चल रहा है जो चिंता की बात है अच्छे समय में सब साथ रहते हैं और बुरा समय में सब भागने लगते हैं या मजाक का पात्र बन जाते हैं हिंदी विज्ञान की सबसे पुरानी संस्थान, विज्ञान परिषद, प्रयाग, प्रयागराज की स्थापना सन 1935में हुई और उसकी पत्रिका विज्ञान शायद 2साल बाद 1937 में प्रकाशित हुई दरअसल हिंदी में सबसे पुरानी विज्ञान की पत्रिका विज्ञान ही थी जो आजादी के बाद से अब तक चल रही है उसका भी कोरोना के बाद आर्थिक संकट में घिर गई और लोगों से मदद मांगकर पत्रिका को 2और 3अंक साथ मिलाकर चलानी पड़ी, बाद में विज्ञान परिषद, प्रयाग जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय,प्रयागराज के जमीन पर बनी थी वो कहीं से फंड न मिलने के कारण, हॉल व जो कमरा बनवाया था उसे किसी कार्यक्रम में पैसा लेकर बुक करने की नौबत आई, 2013 में विज्ञान परिषद का शताब्दी समारोह में बहुत से विज्ञान लेखकों को सम्मान मिला जिन्होंने सहायता राशि भी दि जिसमें मुझे भी बुलाया गया उससे पहले उस समय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव ने विज्ञान परिषद का दौरा किया और परिषद के शताब्दी समारोह हेतु 1करोड़ की राशि की स्वीकृति दि और बहुत धूमधाम से शताब्दी समारोह हुआ जिसमें शुरूआत में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम साहब ने उसका उद्घाटन किया, जिसमें जाने माने परमाणु वैज्ञानिक, और भारत सरकार के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार डॉ (स्व) आर चिदंबरम सर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे और विज्ञान परिषद के प्रधानमंत्री डॉ शिवगोपाल मिश्र ने उनका स्वागत किया और अतिथि के कर कमलों द्वारा विज्ञान परिषद की स्मारिका व पुस्तक का विमोचन हुआ इधर हिंदी विज्ञान में एक और नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रहा है और हाल ही में महान वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम के निधन पर वैज्ञानिक का जनवरी -मार्च 25 का अंक डॉ चिदंबरम स्मृति विशेषांक निकाल कर श्रद्धांजलि अर्पित की

अतः राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती 11मई 25को 10:30बजे रविवार, को नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 11 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा बुलाई गई है आम सभा में चुनाव कार्यकारिणी समिति 25-27 हेतु सभी आजीवन सदस्यों को सचिव श्री सत्य प्रभात प्रभाकर व श्री राजेश कुमार सह सचिव ने परिषद परिषद के आगे आने वाले कार्यक्रम के बारे में बात करेंगे , बाद में नई संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बनाए जायेंगे व नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी के की अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जायेगा जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार हो परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से अपील है कि पुनः आम सभा में उपस्थित है क्योंकि वैज्ञानिक के वर्तमान अंक में डॉ आर चिदंबरम के विशेष अंक का सफल प्रकाशन से उन्हें याद किया गया महान परमाणु वैज्ञानिक का भारत में नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया और पोखरण 2 परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका थी खासबात यह है कि वे बहुत पहले हिन्दी विज्ञान के अध्यक्ष भी थे और उनका आकस्मिक निधन मुंबई में परमाणु वैज्ञानिक डॉ. चिदंबरम का 4 जनवरी 2025 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया, वे भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे., हिंदी के कार्यकारिणी समिति के चुनाव हेतु कृपया ईमेल - hvspelection@gmail.com पर 3दिन के अंदर आवेदन पत्र भेज दें. हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े सभी विज्ञान लेखकों पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, वी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं.विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है.हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरूरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों को एक वैज्ञानिक मंच मिल सके।

डीएम ने किया कलेक्ट्रेट का औचक निरीक्षण

- कार्यालय में साफ-सफाई के साथ करें संसाधनों के पुन: उपयोग: जिलाधिकारी दीपक मीणा
- स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल में होता है सकारात्मक माहौल तैयार, बढ़ती है कार्य की गुणवत्ता: जिलाधिकारी दीपक मीणा
- डेस्क पर बैठा प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्वों की पूर्ण जानकारी रखे: जिलाधिकारी दीपक मीणा

संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कलेक्ट्रेट परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था, अभिलेखों की स्थिति तथा विभिन्न विभागों में उपयोग किए जा रहे संसाधनों की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कार्यालय परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि अनुपयोगी समझे जाने वाले सामानों को अनावश्यक रूप से न फेंका जाए, बल्कि उन्हें पुनः उपयोग (रीयूज) करने योग्य बनाया जाए और जहां आवश्यक हो वहां सही ढंग से उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल न केवल काम की गुणवत्ता बढ़ाता है, बल्कि सभी के लिए सकारात्मक माहौल भी तैयार करता है। जिलाधिकारी ने सहज और शांत माहौल में कर्मचारियों से बातचीत की और कार्यालय को और अधिक सुव्यवस्थित व प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट रूप से यह भी कहा कि डेस्क पर बैठा प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्वों की पूर्ण जानकारी रखे और उसी के अनुरूप अपने कार्यों का निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर विभाग अपने स्तर से यह सुनिश्चित करें कि संसाधनों का दुरुपयोग न हो और सरकारी संपत्ति का संरक्षण हो। साथ ही उन्होंने कलेक्ट्रेट को एक मॉडल कार्यालय के रूप में विकसित करने की भी बात कही। निरीक्षण के दौरान एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.संतोष कुमार उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोपेश्वर मंदिर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

गाजियाबाद, महागुनपुरम। स्थानीय गोपेश्वर मंदिर परिसर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन भव्यता और श्रद्धा के साथ किया गया। वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर हुए इस उत्सव में हवन, पूजा-अर्चना एवं प्रवचन सहित विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और वातावरण जय परशुराम के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन से हुई, जिसका विधिवत संचालन पंडित सुरेश चन्द शर्मा ने किया। उन्होंने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भगवान परशुराम के जीवन दर्शन का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम भृगु वंशीय महर्षि जमदग्नि और राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका के पांचवें पुत्र थे। वे विष्णु के दशावतारों में छठे अवतार माने जाते हैं, जो वामन और श्रीराम के बीच आते हैं। पंडित शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम शिव के परम भक्त थे और उन्हें भगवान शंकर से ही अमोघ परशु प्राप्त हुआ था, जिसे वे सदैव धारण करते थे। इसी कारण उनका नाम "परशुराम" पड़ा। वे ब्राह्मण होते हुए भी क्षात्र गुणों से युक्त थे। उनका जीवन तप, त्याग, संयम और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित रहा। वे एकमात्र ऐसे अवतार हैं, जो चिरंजीवी माने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया को हुआ था और ऐसी मान्यता है कि

इसी दिन से त्रेतायुग का आरंभ भी हुआ था। इस शुभ तिथि पर व्रत-उपवास और धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। भगवान परशुराम को 'जामदग्न्य' भी कहा जाता है और उनकी वीरता, तपस्या व ज्ञान का कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। कार्यक्रम के दौरान प्रवचन एवं भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे। मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया था और भक्तों के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई थी। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें भूदेव शर्मा, मनसा राम, शारदा, भोपाल सिंह, विष्णु दत्त, ओमपाल शर्मा, मूलराज शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु सम्मिलित हुए। सभी ने भगवान परशुराम के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर समाज में धर्म, शांति और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर समिति के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों का विशेष सहयोग रहा। अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और भगवान परशुराम से सभी के कल्याण की कामना की।

परशुराम जन्मोत्सव पर ब्राह्मण समाज संस्कार उत्थान संस्था द्वारा

भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन

संवाददाता

गाजियाबाद। सनातन संस्कृति और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण हेतु ब्राह्मण समाज संस्कार उत्थान संस्था संस्था द्वारा परशुराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर एक दिवसीय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इंदिरापुरम क्षेत्र में श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। आयोजन में अनुज कुमार पाठक,

हरिओम शर्मा, रश्मि तिवारी, विष्णु, पंकज चतुर्वेदी एवं प्रमोद शर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और भगवान श्रीराम की आरती से हुई, जिसके बाद सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ हुआ। सुंदरकांड पाठ के माध्यम से भगवान हनुमान के पराक्रम, श्रीराम के आदर्शों और भक्तिभाव की दिव्यता की उपस्थित जनसमूह ने अनुभव किया। पाठ के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भजन-कीर्तन में सम्मिलित हुए। धार्मिक उद्देश्य के साथ सामाजिक संदेश भी संस्था के सदस्यों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में सांस्कृतिक चेतना जागृत करना है। ब्राह्मण समाज संस्कार उत्थान संस्था निरंतर सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु प्रयासरत है। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी श्रद्धालुओं को परशुराम जयंती की शुभकामनाएँ दी गईं। उपस्थितजनों ने संस्था के इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर किए जाने की अपेक्षा जताई।

संतोष हॉस्पिटल : तीन दशक की सेवा, जनस्वास्थ्य के प्रति समर्पण

संवाददाता

गाजियाबाद। स्वास्थ्य सेवाओं की दुनिया में कुछ संस्थान केवल इलाज नहीं करते, बल्कि भरोसे का दूसरा नाम बन जाते हैं। संतोष हॉस्पिटल, गाजियाबाद का ऐसा ही एक नाम है, जिसने बीते 30 वर्षों में क्षेत्रीय चिकित्सा व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता इस बात का प्रमाण बनी कि यह संस्थान न केवल बीमारियों के इलाज में बल्कि जनस्वास्थ्य जागरूकता में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। नवयुग मार्केट स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में हॉस्पिटल की सुपर स्पेशलिटी सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रेस वार्ता की अगुवाई डॉ. मनीष मक्खनवाल (मेडिकल डायरेक्टर) ने की। उन्होंने स्पष्ट किया कि संतोष

हॉस्पिटल दिल्ली-एनसीआर में अत्याधुनिक तकनीक के साथ सबसे कम दरों पर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कर रहा है, जो कि जनसामान्य के लिए बड़ी राहत है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भी अपने अनुभव साझा किए: डॉ. वल्लभ गुप्ता (जनरल सर्जरी) ने आधुनिक सर्जरी तकनीकों जैसे हर्निया, पाइल्स, फिशर आदि की सफलताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. पुलकित गुप्ता (यूरोलॉजिस्ट) ने URS, PCNL, TURP, व ब्लैडर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जानकारी दी और बताया कि धूम्रपान व शराब इनके प्रमुख कारण हैं। डॉ. नेहा गुप्ता (जनरल मेडिसिन) ने मौसमी बीमारियों के लक्षणों, उनके प्रभाव और बचाव के उपायों को लेकर चर्चा की। डॉ. सिद्धार्थ बड़ोला (गैस्ट्रोलॉजिस्ट) ने बताया कि हॉस्पिटल में एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, एफडब्ल्यू जैसी उन्नत जांचें बेहद किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, बीमारी का समय पर इलाज बेहद जरूरी है, क्योंकि लापरवाही जानलेवा हो सकती है।ब्लाक प्रमुख डॉ. श्वेता चौधरी ने यह सुनिश्चित किया कि संतोष हॉस्पिटल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया करवा रहा है। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों तक भी अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है, और चिकित्सा के क्षेत्र में यह एक हमेशा का पत्यरह साबित हुआ है। 24 घंटे चालू ब्लड बैंक, इमरजेंसी सेवाएं, आधुनिक लैब व रेडियोलॉजी विभाग इस संस्थान की खास पहचान बन चुके हैं। इस कार्यक्रम में हॉसिपटल के कई प्रमुख अधिकारी– गुरदीप तेवतिया, सत्य बाना, विकास शर्मा, दुष्यंत चौहान, सुमित कुमार उपस्थित रहे। क्षेत्रीय पत्रकारों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम और भी प्रभावशाली रहा। संतोष हॉस्पिटल का एकमात्र ध्येय है – हर व्यक्ति को सस्ता, सुलभ और श्रेष्ठ इलाज मिले।

संक्षिप्त डायरी

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और सार्थक कदम: डॉ.लक्ष्मीकांत वाजपेयी

संवाददाता

गाजियाबाद। जीजीआईसी विजयनगर में महिला सशक्तिकरण से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद डॉ.लक्ष्मीकांत वाजपेयी की अध्यक्षता व श्री संजीव शर्मा (विधायक शहर गाजियाबाद), यूनिसेड संस्था के अध्यक्ष श्री अवनीश त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। माननीय मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जीजीआईसी की छात्राओं का विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी। मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद डॉ.लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिला सशक्तिकरण और बालिका कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से जब नारी शक्ति के सशक्तिकरण का आह्वान किया था, तभी से यह विषय राष्ट्रीय विकास के केंद्र में आ गया है। उनके इसी विचार को आत्मसात करते हुए, और प्रधानमंत्री जी को अपना आदर्श मानते हुए, राज्यसभा सदस्य बनने के पश्चात मैंने मेरे द्वारा उत्तर प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रयास किए गए। इसी क्रम में, पहले ओएनजीसी के सहयोग से प्रदेश के दो जिले हापुड़ व मेरठ में 15,000 कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित कर कुपोषण के खिलाफ व्यापक कार्य किया गया। इसके साथ ही, प्रत्येक मशीन के लिए 6 महीने के रिफिल पैड्स भी प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल न केवल किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने में सहायक होगी, बल्कि उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न करेगी। 6 माह के उपरांत इन मशीनों का नियमित रिफिल कार्य उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की योजनाओं के अंतर्गत सुनिश्चित किया जाएगा। इस पहल को सफल बनाने में सहयोग हेतु आप सभी का हार्दिक धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, मैं सभी सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों का भी विशेष आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस पुनीत प्रयास की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह यात्रा यहीं नहीं रुकेगी। विकसित भारत के निर्माण की दिशा में यह एक और कदम है, और यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी और मोदी जी के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से ईएसएल की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती वर्तिका शुक्ला (वर्चुअल माध्यम से), सीएसआर प्रमुख श्री विवेक अवस्थी (वर्चुअल माध्यम से), श्री अभिनव गोपाल मुख्य विकास अधिकारी, कार्यक्रम संयोजक श्री अनमोल खन्ना, बीएसए श्री ओपी यादव, एडीआईओएस, जीजीआईसी प्रधानाचार्या श्रीमती विभा चौहान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती: धर्म, न्याय और ब्रह्मतेज का उत्सव: प्रमोद शर्मा, धर्म प्रचारक

संवाददाता

गाजियाबाद। हिन्दू पंचांग के अनुसार वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है। यह तिथि धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और पुण्यफलदायी मानी जाती है। इसी दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, इसलिए यह दिन परशुराम जयंती के रूप में भी विशेष श्रद्धा से मनाया जाता है। भगवान परशुराम: धर्म और शौर्य के प्रतीक। भगवान परशुराम का जीवन भारतीय धर्म, संस्कृति, वेदों और पुराणों में एक विलक्षण और प्रेरणादायक गाथा के रूप में वर्णित है। उनका जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ। उनके मूल नाम राम के साथ जब उन्होंने परशु (कुल्हाड़ी) धारण की, तो वे परशुराम कहलाए। परशुराम जी अद्वितीय ब्रह्मतेज और क्षात्रतेज के संगम थे। वे चिरंजीवी माने जाते हैं और यह विश्वास है कि वे आज भी जीवित हैं और कलियुग के अंत में भगवान कल्कि को शस्त्रविद्या प्रदान करेंगे। प्रमुख घटनाएं जो परशुराम को विशेष बनाती हैं: माता रेणुका की हत्या और पुनर्जीवन: परशुराम जी ने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अपनी माता का वध किया। बाद में पिता ने प्रसन्न होकर उन्हें वरदान स्वरूप माता को पुनर्जीवित किया। कार्तवीर्य अर्जुन का वध: जब अधर्मी राजा कार्तवीर्य अर्जुन ने उनके पिता की हत्या की, तो परशुराम ने न्याय के लिए उसका अंत किया। क्षत्रियों का 21 बार संहार: उन्होंने 21 बार पृथ्वी से अधर्मी क्षत्रियों का संहार कर धर्म की पुनर्स्थापना की। यह एक प्रतीकात्मक कथा है, जो अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देती है। परशुराम क्षेत्र की स्थापना: जनश्रुति के अनुसार उन्होंने समुद्र से भूमि निकाल कर केरल प्रदेश की स्थापना की। साथ ही कई तीर्थ एवं शिक्षास्थलों की नींव रखी। महाभारत काल में योगदान: वे कर्ण और भीष्म पितामह के गुरु थे। उन्होंने श्रीराम को भी जनकपुर में दर्शन दिए और आशीर्वाद प्रदान किया। चिरंजीवी स्वरूप और आज की प्रासंगिकता भगवान परशुराम अष्ट चिरंजीवी में से एक हैं। उनकी उपस्थिति आज भी गुरु-शिष्य परंपरा, धर्म-न्याय की स्थापना, आत्मसंयम और शौर्य के प्रतीक के रूप में महसूस की जाती है। आज के युग में जब अधर्म, अन्याय और अराजकता की चुनौतियाँ बढ़ रही हैं, भगवान परशुराम का आदर्श मार्गदर्शक बन सकता है। अक्षय' का अर्थ है – जो कभी क्षय न हो। इस दिन किया गया दान, पूजन और शुभ कार्य अक्षय फल प्रदान करता है। यह तिथि विवाह, गृह प्रवेश, व्यवसाय प्रारंभ और शिक्षा आरंभ करने के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। स्वर्ण पूजन की परंपरा भी विशेष रूप से इस दिन होती है। अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती केवल पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के गहरे प्रतीक हैं। ये दिन हमें धर्म, नीति, शौर्य और आत्मसंयम की ओर लौटने का आह्वान करते हैं। आप सभी को अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।

गाजियाबाद में भाजपा कार्यकताओं का बढ़ा मनोबल

संवाददाता

गाजियाबाद। महानगर भाजपा मंत्री धीरज शर्मा के साथ हाल ही में हुई घटना ने गाजियाबाद की राजनीति में हलचल मचा दी थी। हालांकि इस संकट के समय में संगठन और जनप्रतिनिधियों ने जिस तरह धीरज शर्मा का समर्थन किया, उससे कार्यकर्ताओं के बीच एक नया उत्साह और विश्वास का संचार हुआ है। लंबे समय बाद गाजियाबाद के भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश गया कि संगठन हर परिस्थिति में अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धीरज शर्मा के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा कथित अभद्रता और अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया था। इस घटना की जानकारी मिलते ही गाजियाबाद भाजपा संगठन हरकत में आ गया। विधायक, पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता तुरंत सक्रिय हुए और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। संगठन के दबाव और नेतृत्व की सजगता

का ही परिणाम रहा कि संबंधित थाना क्षेत्र में तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई गई और पुलिस आयुक्त द्वारा दोषी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित भी कर दिया गया इस पूरे घटनाक्रम में गाजियाबाद सदर विधायक संजीव शर्मा ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने संगठन स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भी सरकार स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित कराई, जबकि विधायक अजीत पाल त्यागी और अन्य महानगर पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लगातार घटनाक्रम पर नजर रखी और उचित दबाव बनाया। पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी धीरज शर्मा के पक्ष में खुलकर समर्थन जताया और प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया कि भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मान से कोई भी समझौता स्वीकार नहीं होगा।

कार्यकर्ताओं के बीच खुशी और संतोष

इस घटना के बाद गाजियाबाद के कार्यकर्ताओं के बीच गहरा संतोष और गर्व का भाव देखने को मिला। कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय बाद संगठन ने जिस तरह से जमीनी कार्यकर्ता के साथ खड़े होकर उसका मनोबल बढ़ाया है, वह न केवल सराहनीय है बल्कि भविष्य में संगठन के प्रति कार्यकर्ताओं की निष्ठा और विश्वास को और भी प्रगाढ़ करेगा। मंत्री धीरज शर्मा ने बातचीत में कहा, यह सिर्फ एक घटना नहीं थी, बल्कि कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान और संगठन के जीवंत होने का प्रमाण थी। हमारे जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों ने दिखा दिया कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक परिवार है।

नेताओं के प्रति आभार

गाजियाबाद महानगर के मंत्री धीरज शर्मा ने और तमाम कार्यकर्ताओं ने सदर विधायक संजीव शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने बिना देर किए धीरज शर्मा के समर्थन में कदम उठाए और न्याय सुनिश्चित कराया।

आगे की रणनीति

सूत्रों के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ता अब इस ऊर्जा को आगामी विधान सभा चुनाव/नगर निकाय चुनावों और संगठनात्मक गतिविधियों में भी झोंकने के लिए तैयार हैं। संगठन ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कार्यकर्ताओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

धीरज को विपक्ष का भी मिला साथ

इस घटना से गाजियाबादभाजपा महानगर मंत्री धीरज शर्मा का सहज, मृदु भाषी और मिलनसार व्यक्तित्व उस समय स्पष्ट रूप से सामने आया, जब उनके प्रकरण में सामान्य जनमानस से लेकर विपक्षी दलों के नेता तक उनके समर्थन में आ खड़े हुए। धीरज शर्मा के व्यवहार और सौम्यता का ही परिणाम था कि जो विपक्ष प्राय: भाजपा की नीतियों की आलोचना करता रहता था, वही विपक्षी नेता भी धीरज शर्मा के प्रति दुख प्रकट करते हुए उनके समर्थन में नजर आए। कई नेताओं ने फोन पर, तो कई ने सोशल मीडिया के माध्यम से धीरज शर्मा को अपना पूरा समर्थन और संवेदना व्यक्त की। यह धीरज शर्मा के उच्च चरित्र और जनप्रियता का प्रमाण है। भाजपा कार्यकर्ताओं के भीतर एक नई चेतना और जोश का संचार कर दिया है, जो आने वाले समय में संगठन की ताकत को और बढ़ा सकता है।

पंडित जी...दक्षिणा सांसद जी देंगे

यूनिवर्सिटी के प्रेक्षागृह की नींव का पत्थर रखते हुए सीएम योगी ने चुटकी ली

गोरखपुर। विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह में योगी आदित्यनाथ ने प्रेक्षागृह का शिलान्यास किया। भूमिपूजन के दौरान वह खुद यजमान बने, बगल में सांसद रवि किशन बैठे हुए थे। नींव में पहले पत्थर को रखते हुए अचानक योगी ने पूजा करवा रहे पंडित से कहा- सांसद जी बैठे हैं...दक्षिणा वही देंगे आपको। इट के इतना कहते ही सब लोग हंसने लगते हैं। योगी नींव में पत्थर रखकर उसको पूजन करते हैं। इसके बाद उन्होंने पूरा प्रोजेक्ट समझा। विश्वविद्यालय में बन रहे स्पोर्ट्स स्टेडियम का काम भी शुरू करवाया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा- अभी सांसद रवि किशन पूछ रहे थे कि क्या मैं विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हो सकता हूं, मैंने कहा- नहीं... आपके पास डिग्री नहीं होगी। आप विजिटर प्रोफेसर बन सकते हो। लेकिन वह यह कह रहे थे कि मैं पढ़ाना चाहता हूं। मैंने कहा कि आप पढ़ना इसलिए चाहते हैं, क्योंकि आप पैसा देने से बचना चाहते हैं। इसलिए आप जुड़ना चाहता है, मैंने कहा कि नहीं... आप ललित कला अकादमी के साथ जुड़िए, ताकि छात्रों की कुछ मदद हो सके। मैंने कहा कि आप एक क्षेत्र को चुनिए। याद करिए गोरखपुर यूनिवर्सिटी को बनाने के लिए 50 लाख रुपए की जरूरत थी। स्टेट गवर्नमेंट के पास इतने पैसे नहीं थे। तब गोरखपुर के कुछ बड़े परिवार जुड़े, उन्होंने स्टेट गवर्नमेंट को कहा कि इतनी प्रॉपर्टी और कैश हम देंगे कि विश्वविद्यालय बन सके, तब जाकर विश्वविद्यालय बन सका। रवि किशन को जब हीरक जयंती समारोह में बोलने के लिए कहा गया। माइक संभालते ही उन्होंने कहा- अचानक नाम पुकारने पर बुद्धि ही बंद हो जाती है, लिस्ट में हमारा नाम नहीं था। हंसते हुए बोलना शुरू करते हैं। वह कहते हैं गोरक्षपीठ और नाथ संप्रदाय की यह सोच रही है कि शिक्षा और चिकित्सा पर खूब काम होना चाहिए। यही सोच महाराज जी (योगी) की भी है, आप देखिए ए++ ग्रेड मिली है। उन्होंने कहा- जो भी यूनिवर्सिटी की तरफ से डिमांड थी, उन्हें पूरी किया गया है। सांसद ने छात्रों से पूछा कि फीस कम है न? आइए दिल्ली-मुंबई मुंह से खून फेंक देता है आदमी। आप लोग यहां से पढ़कर हर जगह अपना नाम करें, मैं यही कामना करता हूं। उन्होंने यूनिवर्सिटी से जुड़े इतिहास को भी देखा। दरअसल, 1 मई 1950 को मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने इस विश्वविद्यालय की स्थापित किया था। गोरखपुर विश्वविद्यालय, जिसे पहले उत्तर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाता था, इस वर्ष अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसके बाद योगी आदित्यनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना आयोजन में शामिल हुए। विश्वविद्यालय से सीएम योगी का करीबी कनेक्शन है, क्योंकि वह गोरक्षपीठ के महंत हैं, और उसी गोरक्षपीठ से जुड़ी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी।

मनरेगा को लेकर निकली जागरूकता रैली, दी गई जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम बटेसरा मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण की सोसल ऑडिट हेतु जन जागरूकता अभियान के तहत रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरुक किया गया। सोसल ऑडिट टीम द्वारा आयोजित जन जागरूकता रैली का शुभारंभ एडीओ पंचायत/सचिव नीरज चतुर्वेदी ने किया। आयोजित बैठक में एडीओ श्री चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने काम के अधिकार के तहत मनरेगा जैसी बेहतर योजना लागू की है। जिसमें गांव में रहकर कोई भी व्यक्ति जाब कार्ड धारक बनकर 100 दिन का रोजगार प्राप्त कर सकता है। बीआरपी कुशीनगर वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि मनरेगा के तहत प्रत्येक परिवार को रोजगार की गारंटी मिलेगी। उन्होंने मनरेगा के खुबियों और लाभों को गिनाया। ग्राम प्रधान मोहनलाल गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ग्राम्य विकास और मनरेगा के बारे में जानकारी दी। इस दौरान रोजगार सेवक कामुधरा प्रजापति पंचायत सहायक मंजू देवी, शंभू निषाद, अंकुर शर्मा, वशिष्ट, कमलावती, फूलमती देवी, कन्हैया भारती, राजू निषाद सहित ग्रामीण और सफाई कर्मी मौजूद रहे।

बाबा साहब के सम्मान में भाजपा मैदान में

संवाददाता

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर और अखिलेश यादव के आधे चेहरे दिखाने वाले एक फोटो पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा कड़ी प्रतिक्रिया जताई गई है। बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के नेतृत्व में पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने रविन्द्र नगर स्थित भाजपा कार्यालय से लेकर विकास भवन तक विरोध प्रदर्शन और अखिलेश यादव का पुतला जला कर भाजपाईयों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी को अम्बेडकर और दलित विरोधी करार देते हुए अखिलेश यादव के कृत्य को अक्षम्य बताया गया। जिलाध्यक्ष श्री राय ने कहा कि सपा द्वारा लगाई गई होर्डिंग में बाबा साहब का बहुत बड़ा अपमान किया गया है। अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के लोग वोटबैंक की राजनीति के चलते बार बार देश के महापुरुषों और बाबा साहब का अपमान करते रहे हैं।

हम सपा के इस कृत्य का घोर निन्दा करते हैं और बताना चाहते हैं कि बार बार संविधान लहराने वाले इन ढोंगियों का चेहरा बेनकाब हो गया है। सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि सपा ने अपने शासनकाल में पिछड़े और दलितों के अधिकारों पर कुठाराघात किया। अब दूसरे चरण में डा अम्बेडकर जिन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से सर्वसमाज के सबके हिस्से का ध्यान रखा। उस हिस्से को काटकर भी आधा लूटने का काम समाजवादी पार्टी कर रही है। हम समाजवादी पार्टी के इस कृत्य की घोर निन्दा करते हैं। हाटा विधायक विनय प्रकाश गोंड ने कहा कि कदम-कदम पर बाबा साहेब और दलितों का अपमान करने वाले अखिलेश यादव आप बाबा साहेब के चरणों की धूल भी नहीं हैं। पूर्व विधायक दीपलाल भारती ने कहा कि बाबा साहेब भारत के संविधान शिल्पी हैं, विश्व के सबसे बड़े विद्वान रहे हैं। अखिलेश यादव ने बाबा साहेब के आधे चित्र के साथ अपना आधा चित्र लगाकर उनका अपमान किया है, महापाप किया है। समाजवादी पार्टी का पीडीए बेनकाब हो चुका है। ये लोग दलितों को सम्मान नहीं कर सकते। पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा दलित विरोधी रही है सपा के लोग दलित मुख्यमंत्री मायावती को भी गेस्ट हाउस कांड में जान से मारने का प्रयास किया था तब भाजपा के लोगों ने उन्हें बचाया था। पूर्व विधायक पवन केडिया, अनिरुद्ध खरवार ने भी सम्बोधित किया तथा संचालन जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप जायसवाल, सुधीर राव, विजय खेतान, मनीष जायसवाल बुलबुल, अजय राय, कन्हैया गोंड, सुदर्शन पाल, रमेश सिंह पटेल, शैलेन्द्र तिवारी, नमो नारायण मौर्य, नूतन दूबे, प्रदीप पांडेय, नीरज सिंह पिंटू कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिजली लाइन बदलते समय युवक को लगा करंटः ललितपुर में 42 फीट ऊंचे खंभे से गिरा, मौके पर मौत

ललितपुर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के मुंगावली निवासी 18 वर्षीय सूर्यकांत को ललितपुर में बिजली का काम करते समय मौत हो गई। सूर्यकांत विद्युत ठेकेदार के साथ दो दिन पहले सोमवार को ललितपुर के कस्बा बिरधा में आया था। बुधवार दोपहर को वह बाइक पास पर 42 फीट ऊंचे खंभे पर चढ़कर 11 हजार केवी की विद्युत लाइन बदल रहा था। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट आ गया। करंट लगने से सूर्यकांत खंभे से नीचे गिर गया। उसे तुरंत बिरधा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सवाल उठाया है कि काम के दौरान लाइन बंद क्यों नहीं की गई। अगर बंद की गई थी तो फिर अचानक करंट कैसे आ गया। मृतक दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुस्तक वितरितः शिक्षा, खेल में बेहतर बेसिक विद्यालय के बच्चेः विजयपाल नारायण त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित ब्लॉक संसाधन परिसर स्थित कंपोजिट विद्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी विजय पाल नारायण त्रिपाठी द्वारा 207 छात्र - छात्राओं में निःशुल्क पुस्तक वितरित किया गया।

बुधवार को सर्व शिक्षा अभियान के तहत पुस्तक वितरण कार्यक्रम में बीईओ श्री त्रिपाठी ने बच्चों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नौनिहालों के बेहतर शिक्षण को लेकर सरकार द्वारा हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बेसिक विद्यालयों में बेहतर शिक्षण माहौल को विकसित किया गया है। हमारे बच्चे खेल, शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह ने सभी का स्वागत और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के शिक्षकों द्वारा बच्चों को नैतिक, संस्कारिक और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दिया जा रहा है।

इस मौके पर छात्र और छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत कर सराहना बटोरी। इस दौरान दुर्गेश यादव, रश्मि सिंह तोमर, निशु विश्वकर्मा, नंदनी मौर्य सहित शिक्षक मौजूद रहे।

कुशीनगर में 450 वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटनः नागरिक केंद्रित सुशासन की एक उपलब्धि

संवाददाता

कुशीनगर। कीर्तिवर्धन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, एवं विदेश मंत्रालय तथा डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं संचार मंत्रालय के कर कमलों द्वारा उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 450वें डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) का उद्घाटन किया गया जोकि पासपोर्ट की सुविधा को सुलभ बनाने और भारत में सुशासन के विजन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सांसद जगदम्बिका पाल, सांसद कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, सांसद विजय कुमार दुबे, सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश विधानसभा के विधायकगण मोहन वर्मा, विनय प्रकाश गोंड, विवेकानंद पांडे, मनीष कुमार, सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि विदेश मंत्रालय के अधिकारी गण, डाक विभाग के अधिकारी गण, कुशीनगर जिला प्रशासन और कुशीनगर पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ कुशीनगर के निवासी और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे। मंत्री जी ने इतिहास और अध्यात्म की दृष्टि से समृद्ध भूमि तथा भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर में इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। कहा कि यह महज एक उपलब्धि नहीं है, यह एक नए भारत के उस विजन को दर्शाती है जहां पर सुशासन एक कल्पना मात्र नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए एक जीवंत सच्चाई है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कुशीनगर में पीओपीएसके की स्थापना इसकी सांस्कृतिक आदान-प्रदान और तीर्थयात्रा की समृद्ध विरासत को भारत की आधुनिक वैश्विक आकांक्षाओं से जोड़ती है तथा पूरे

विश्व को अपने में समाहित करने की हमारी परंपरा को प्रतिबिंबित करती है। पीओपीएसके के परिवर्तनकारी स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि काफी लम्बे समय तक पासपोर्ट प्राप्त करना अपने आप में एक यात्रा करने जैसा था लेकिन आज, कुशीनगर का कोई भी किसान, मजदूर या छात्र अपनी एक दिन की मजदूरी या मानसिक शांति को गंवाए बिना इन सेवाओं का लाभ ले सकता है। माननीय मंत्री जी ने विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच की इस महत्वपूर्ण साझेदारी को "जनकल्याण के लिए सरकार के दो अंगों के एकजुट होने का जीता जागता उदाहरण" बताया। उन्होंने कहा कि, भारतीय डाक के विशाल नेटवर्क का लाभ उठाते हुए डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों ने डाकघरों को आधुनिक सुशासन के केंद्रों में परिवर्तित कर दिया है। एम-पासपोर्ट सेवा ऐप, कागज रहित दस्तावेजों के लिए डिजिलॉकर के साथ और अप्लाई फ्रॉम एनीव्हेयर योजना जैसी नवीन सुविधाओं ने पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया है, जोकि इस सेवा के लोगों की जरूरतों के अनुरूप ढालने के नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। अपने संबोधन के अंत में, माननीय मंत्री जी ने सहयोग प्रदान करने के लिए डाक विभाग को धन्यवाद दिया और इस डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र को कुशीनगर की जनता को समर्पित करते हुए सुलभ सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। पीओपीएसके विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच साझेदारी का परिणाम है जिसका उद्देश्य पासपोर्ट सेवाओं को शहरी केंद्रों की सीमाओं से निकालकर आम नागरिकों तक पहुंचाना है। 37 पासपोर्ट कार्यालयों के अंतर्गत कुल 450 पीओपीएसके एवं 93 पासपोर्ट सेवा केंद्रों के साथ अब देशभर में 543 पासपोर्ट सर्विस पॉइंट्स का नेटवर्क है, जिसमें से क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ के क्षेत्राधिकार में कुल 4 पासपोर्ट सेवा केंद्र एवं 33 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र संचालित होते हैं। कुशीनगर का यह पीओपीएसके क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अंतर्गत 33वाँ डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र होगा। यह पीओपीएसके प्रत्येक लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पासपोर्ट सेवा पॉइंट स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महामारी जैसी चुनौतियों के बावजूद 543 निर्वाचन क्षेत्रों में विदेश मंत्रालय ने यह लक्ष्य हासिल कर लिया है। कुशीनगर एक ऐसी जगह है जिसने सदियों से संतों, विद्वानों और साधकों को अपनी ओर आकर्षित किया है और यहाँ पर इस सुविधा की शुरुआत यह सुनिश्चित करती है कि इस क्षेत्र के लोगों की विश्व स्तर तक पहुँच उसी प्रकार हो सके जिस प्रकार विश्व की पहुँच कुशीनगर तक सुनिश्चित हुई है। यह हमारे देश के अतीत और भविष्य के बीच एक छोटा किंतु सशक्त माध्यम है ताकि इसके माध्यम से भारत उदारशीलता और संपर्क का प्रकाश स्तंभ बना रहे।

संक्षिप्त डायरी

बुद्ध ईका कुशीनगर में माशिसं शर्मा गुट की हुई बैठक में अधिकारों पर चर्चा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रांगण में माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट की जिला कमेटी की हुई बैठक में नई पेंशन नीति (एनपीएस) को पुरानी पेंशन (ओपीएस) में बदलने की मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल कुमार दुबे ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक हितों के लिए संघ का संघर्ष जारी रहेगा। शिक्षकों को लेकर बहुत सारे संगठन काम कर रहे हैं लेकिन शर्मा गुट वास्तविक संगठन है जो धरातल पर उतर कर शिक्षक हितों के लिए लड़ रहा है। आप सभी शिक्षकों के हक, सम्मान के लिए एकजुट हों अपनी आवाज बुलंद करें। जिला कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कोष में पारदर्शिता बरतने और नया खाता खोलने पर चर्चा की। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि जिन विद्यालयों में शर्मा गुट की इकाई नहीं है वहां की इकाई अविलंब गठित किया जाय। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय ने सभी शिक्षकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। संचालन जिला मंत्री गोविंद वर्मा ने किया। इस दौरान धर्मेन्द्र तिवारी, आय व्यय निरीक्षक अभिनव प्रताप सिंह, राम सिमरन मौर्य, समरजीत, गजेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, मदन सिंह सहित आदि संगठन से जुड़े पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

दाढ़ी रखने पर पत्नी ने पति को छोड़ा

मेरठ। एक दुल्हन को अपने शौहर की दाढ़ी पसंद नहीं आई। इसलिए वह देवर के साथ भाग गई। पति ने रिश्तेदारी और कई जगह पत्नी को 3 महीने तक तलाशा। लेकिन, कोई खबर नहीं मिली। इसके बाद बुधवार को वह एसएसपी ऑफिस पहुंचा। बोला- शादी के दूसरे दिन से कहती थी कि तुम्हारी दाढ़ी मुझे अच्छी नहीं लगती। एक दिन मैं तुमको छोड़ दूंगी। मुझे लगा कि पत्नी मजाक कर रही है। लेकिन वह निकाह के 30 दिन बाद सचमुच भाग गई। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मामला मेरठ लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के उज्जवल गार्डन कॉलोनी का है। शाकिर ने बताया- मेरा निकाह 4 महीने पहले इंचौली की अर्शी के साथ हुआ था। मैं दाढ़ी रखता हूं। अर्शी इसे पसंद नहीं करती थी। निकाह की रात से ही लगातार दाढ़ी कटवाने का दबाव बनाने लगी। मुझे खुद को छूने तक नहीं दिया। कहने लगी कि तुम दाढ़ी रखते हो, मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकती। जब मैंने कहा कि दाढ़ी से दिक्कत थी, तो निकाह से पहले बताना था। अब शादी हो चुकी है, तो क्या करूं? इस पर वह कहने लगी कि मुझे तलाक दे दो। शाकिर ने बताया- पत्नी कहती थी कि उसने अपने घरवालों के दबाव में आकर शादी की है। मेरे साथ रहना है, तो दाढ़ी हटानी पड़ेगी। इस पर मैंने दाढ़ी कटवाने से मना कर दिया। साथ ही पत्नी के घरवालों से भी शिकायत की। इसी दौरान वह मेरे छोटे भाई साबिर के साथ भाग गई। इसके बाद से दोनों का कुछ पता नहीं चल रहा है। फोन भी स्विच ऑफ है। शाकिर ने बताया- मेरे पिता सलीम की 18 साल पहले मौत हो चुकी है। घर पर मां सकीना हैं, जो मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके अलावा घर पर मेरा छोटा भाई साबिर भी रहता था। मैं सुबह ही काम पर चला जाता हूं। ऐसे में तीनों लोग घर में अकेले रहते थे। भाई साबिर जिम पार्ट्स बनाने का काम करता है। दिनभर मेरी गैरमौजूदगी के चलते पत्नी के भाई से गहरे संबंध हो गए। इसके बाद दोनों घर से भाग गए। पत्नी केवल 1 महीने ही घर पर रही। 3 महीने से वो भाई के साथ भागी हुई है। मैंने अपनी ससुराल में सब कुछ बताया, लेकिन वो लोग भी कुछ नहीं कह रहे। शाकिर ने कहा- पत्नी के गायब होने पर मैंने पुलिस चौकी में इसकी सूचना दी थी। पत्नी के घरवालों को भी सूचना दी थी। लेकिन, उन्होंने कहा कि अब अपनी बेटी से सभी संबंध खत्म कर लिए हैं। शाकिर ने पुलिस को एक एप्लिकेशन दी है। वहीं, एसपी सिटी आयुष विक्रम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जो भी बात सामने आएगी, संबंधित कार्रवाई करेंगे। खबर प्रसारित होने के बाद बुधवार को दुल्हन अपनी ससुराल पहुंच गई। जहां उसने बोला कि उसे अपने पति की मर्दानगी पर शक था। इसी के चलते उसे अपने देवर से मोहब्बत हो गई और वह उसके साथ फरार हो गई थी और उसी के साथ रहना चाहती है। इसके बाद पति ने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और वहां ड्रामा शुरू हो गया। महिला अपने देवर के साथ जाने की जिद पर अड़ी है।

झांसी में 15 साल की लड़की से रेप, बेहोश मिलीः भंडारा खाने गई थी, युवक खींचकर झाड़ियों में ले गया, दरिंदगी कर भागा

झांसी। 15 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। वो गांव में धार्मिक स्थान पर भंडारा खाने गई थी। लौटते वक्त एक युवक उसे झाड़ियों में खींच ले गया और दरिंदगी की। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। परिजन ढूंढते हुए पहुंचे तो पीड़िता झाड़ियों में बेसुध पड़ी थी। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मंगलवार देर रात केस दर्ज जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला उल्दन थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पिता ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी ने भंडारा कराया था। सोमवार रात को 15 साल की बेटी भंडारा खाने के लिए गई थी। गुरसराय के सेमरी गांव निवासी राहुल कुशवाहा की गांव में रिश्तेदारी है। वो भी भंडारा में आया था। रात को बेटी खाना खाकर घर लौट रही थी।

रास्ते में आरोपी राहुल कुशवाहा उसे पकड़कर जबरन झाड़ियों में ले गया। उसके साथ रेप किया। इससे बेटी बेसुध हो गई। तब आरोपी मौके से भाग गया। रात में काफी देर तक पीड़िता घर नहीं लौटी तो परिजन भंडारा स्थल पर पहुंच गए। वहां पता चला कि वो काफी देर पहले ही घर के लिए निकल चुकी है। इसके बाद परिजन परेशान हो गए। उसकी तलाश शुरू कर दी। तब रास्ते में झाड़ियों के पास लड़की बेसुध मिली। परिजन उसे घर ले गए। होश में आने के बाद पीड़िता ने आपबीती बताई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मैं घर आ रही थी। रास्ते में युवक मुझे उठा ले गए। मेरे साथ गलत काम किया। जब विरोध किया, तो मारपीट की। इसके बाद मुझे होश नहीं रहा कि मैं कहां हूं। जब होश आया, तो अस्पताल में भर्ती थी। वहीं, उल्दन थाना प्रभारी दिनेश कुरील ने बताया कि पिता की तहरीर पर राहुल कुशवाहा पर पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस की विशेष टीमें रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की कर रहीं तलाश

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस का कहना है कि उन्हें पर्यटन स्थलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के मूवमेंट का इनपुट मिला है। वहां रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थलों पर ये लोग फेरीवाला और मांगने वालों के वेश में रह रहे हैं। इनकी तलाश और शिनाख्ती का काम अब विशेष पुलिस की टीमें करेंगी। पुलिस के मुताबिक कई सालों से यहां रहने के कारण इन्हें भाषाई या पहनावे से पहचानना थोड़ा जटिल हो गया है। बावजूद इसके किराए का मकानों का सत्यापन और भाषाई जानकारी हासिल कर इन रोहिंग्या या बांग्लादेशियों की मौजूदगी को उजागर किया जा सकेगा। पुलिस की विशेष टीम अब सड़कों व रेल पटरियों के किनारे, गांव के बाहरी क्षेत्रों, पार्कों और खुले मैदानों में रहने वाले लोगों का भी सत्यापन कर सकेंगी। ऐसा करते हुए इन लोगों को चिह्नित कर हटाया जाएगा। वहां काशी के घाटों पर एटीएस और एनआईए द्वारा गठित टीमें पहले से ही रोहिंग्या की तलाश में जुटी हुई हैं। तलाशी के दौरान पिछले दिनों वाराणसी से दो लोगों को पकड़ा जा चुका है। अब पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर वाराणसी के काशी, गोमती और वरुणा समेत तीनों जोन की विशेष पुलिस टीमें भी इस पर प्रभावी तरीके कार्रवाई को अंजाम देंगी।

मई की शुरुआत होगी बारिश व आंधी से, दिल्ली-एनसीआर में चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की शुरुआत बारिश व आंधी से होगी। तापमान घटेगा और गर्मी से एक सप्ताह तक दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत मिलेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मई महीने के शुरुआती हफ्ते में बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 1-3 मई तक तेज हवाओं के आंधी में तब्दील होने की वजह से 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक 1-3 मई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ हल्की बारिश होगी। वहीं हवाओं की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा व कुछ इलाकों में 50 किमी प्रतिघंटा से चलेंगी जोकि आंधी का रूप ले सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक आ सकता है। वहीं 4-5 मई को आसमान में बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी होगी लेकिन हवाओं की गति धीमी पड़ सकती है। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 37.5 व न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 अधिक 24.5 दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह पूर्वी सतही हवाओं की रफ्तार 15-20 किलोमीटर से बदलकर शाम के समय 37 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच गई। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान में गिरावट पालम निगरानी केंद्र में देखने को मिली। दूसरी तरफ उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि मैदानी इलाकों में जैसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। पूर्वी भारत के बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस बनी हुई है। दक्षिण भारत में केरल और तमिलनाडु में मॉनसून पूर्व बारिश की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

मानहानि के मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए राहुल गांधी, अब 17 मई को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक बयान देने के आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने आरोपी को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश देते हुए मामले की सुनवाई के लिए 17 मई की तारीख तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत में बताया कि 29 अप्रैल को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति दिशा की बैठक राहुल गांधी की अध्यक्षता में होनी है लिहाजा वे हाजिर नहीं हो सके। विदित हो कि सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान पिछले 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया और कहा ' ' लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे। नौ तारीख को सीमा पर चीनी भारतीय सेना के बीच विवाद होने के बाद भारतीय सेना ने 12 दिसंबर को आधिकारिक बयान जारी करके बताया था कि चीनी सेना भारतीय सीमा में अतिक्रमण कर रही थी जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस झड़प में दोनों पक्षों को मामूली चोटें आईं थीं। राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल मामले में कहा भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों द्वारा पिटाई के झूठे बयान से परिवादी को आघात लगा है। साथ ही राहुल गांधी के इस बयान से भारतीय सेना, सैनिकों के परिवार और वादी की मानहानि हुई है।

तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा, जो पूरा नहीं होगा : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद विपक्ष की बयानबाजी और उठाए गए सवालों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे। दरअसल माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य द्वारा सिंधु जल समझौता रोकने पर सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने माले को चीन का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि पानी रोकने की बात पर जनता को दोष देना गलत है, लेकिन यह वही लोग हैं जिन्होंने 1962 में हमारी लड़ाई के समय चीन का साथ दिया था। वहीं तेजस्वी यादव के खुद को सीएम फेस बताने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने तंज करते हुए कहा तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है, जो कभी पूरा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्थ ईस्ट से लेकर किसानों और नौजवानों तक हर वर्ग से संवाद कायम रखा है। साथ ही पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस और राजद नेताओं के बयानों को शर्मनाक बताया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना पहुंचते ही कांग्रेस के द्वारा प्रधानमंत्री पर बयान बाजी करने पर कहा कि आज सारा देश एक है निश्चित तौर पर सभी को एकजुट होना चाहिए।

मणिपुर के 21 विधायकों ने की गृहमंत्री अमित शाह से सरकार के गठन की मांग

-पत्र में लिखा- राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति नहीं

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति नहीं हो पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा फिर होने की आशंका जता रहे हैं।

गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को काफी प्रभावित किया है।

बता दें मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में बीजेपी के 13, एनपीपी के 3, नगा पीपुल्स फ्रंट के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।

मणिपुर में अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है। उनका मानना है कि राष्ट्रपति शासन के तहत स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है और अब स्थायी सरकार ही राज्य में सामान्य स्थिति को बहाली कर सकती है।

यह पत्र गृह मंत्रालय को 29 अप्रैल यानी मंगलवार को मिला था और इसे आज सार्वजनिक किया गया। मणिपुर के इस संकटपूर्ण समय में इस पत्र को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की स्थिरता के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील करता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी

जम्मू (एजेंसी)। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था।

पंजाब ने घटाया हरियाणा को मिलने वाला पानी, गहराया जल संकट

-सीएम सैनी बोले- आश्वासन देकर पलट गए सीएम मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने भाखड़ा डैम से हरियाणा को दी जाने वाली पानी की आपूर्ति में कटौती कर दी। पहले जहां रोज 9,000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा था, अब यह घटाकर केवल 4,000 क्यूसेक कर दिया है। इससे हरियाणा के करीब छह जिलों में जल संकट खड़ा हो गया है, जो आने वाले दिनों में और भी विकराल हो सकता है।

इस विवाद के बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी कहा कि राज्य के पास हरियाणा को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। वहीं हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि भगवंत मान ने उन्हें इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की निगरानी में हर साल पंजाब सरकार हरियाणा और राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। यह जल आवंटन 21 मई से अगले साल की 21 मई तक मान्य होता है। इस नहर के जरिए से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की लाखों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। यह पानी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने के लिए भी इस्तेमाल होता है, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल की कमी है।

पंजाब का कहना है कि हरियाणा पहले ही मार्च में अपनी तय सीमा का पानी खर्च कर चुका है, क्योंकि उसका जल प्रबंधन सही नहीं था। इससे अब पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में 5,000 क्यूसेक की कटौती कर दी है। इसका असर हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक और महेन्द्रगढ़ जैसे जिलों में दिखने लगा है। हालात यही रहे तो अन्य जिलों में भी पानी का संकट गहरा सकता है। मंगलवार को दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई। इसके बाद भगवंत मान ने वीडियो संदेश जारी करते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा ने पानी का किफायती और समझदारी से इस्तेमाल नहीं किया, जिसकी वजह से वह मार्च में ही अपना कोटा खत्म कर बैठा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पंजाब मानवता के आधार पर 4,000 क्यूसेक पानी दे रहा है, जबकि नियमों के मुताबिक यह भी नहीं दिया जाना चाहिए।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आज मंगलवार को लंदन में भारत-यूके व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। गोयल ने निवेश के नए अवसरों और इनोवेशन-आधारित विकास की संभावनाओं पर जोर दिया। इस बैठक में दोनों देशों के बड़े व्यापारिक नेताओं और सीईओ ने भाग लिया। पीयूष गोयल फिलहाल चार दिवसीय विदेशी दौरे पर हैं। इस दौरान वे लंदन (यूके), ओस्लो (नॉर्वे) और ब्रुसेल्स (यूरोपीय संघ) की यात्रा कर रहे हैं। इस दौरे का उद्देश्य भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करना है।

गोयल ने लंदन यात्रा की शुरुआत में यूके के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जे. रेनॉल्ड्स से मुलाकात की। उन्होंने इस बैठक को 'उपयोगी' बताया और कहा कि यह भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह समझौता 26 अध्यायों में बंटा है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं। भारत और यूके जल्द से जल्द इसे पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाए जाने के कारण वैश्विक व्यापार में चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

गोयल ने लंदन में टी बोर्ड्स ग्रुप के सीईओ पुल कुक और उनकी टीम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रत्न और आभूषण उद्योग में भारत की भूमिका, टिकाऊ प्रथाएं, और विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने रेवोल्ट के चेयरपर्सन मार्टिन गिल्बर्ट से भी मुलाकात की और भारत के फिनटेक सेक्टर में वैश्विक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के सहयोग से भारत में नवाचार और विकास को गति मिलेगी।

युद्ध की आहट के बीच, सामान्य नहीं है भागवत का पीएम मोदी से मिलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते रोज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक दोनों की बातचीत होने के बाद सवाल ये है कि क्या ये शिष्टाचार भेंट थी? बात क्या है ये तो कोई नहीं जानता पर, इतना जरूर माना जा रहा है कि पीएम मोदी और संघ प्रमुख भागवत की इस मुलाकात को सामान्य नहीं माना जा सकता है। वजह ये है कि संघ प्रमुख का राजनीतिक हस्तियों से मिलना बेहद असामान्य माना जाता है। संघ सूत्रों ने पुष्टि की है कि 2014 में पीएम मोदी के पदभार संभालने के बाद से यह पहली ऐसी मुलाकात थी। मुलाकात से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मोहन भागवत ने इस घटना पर संघ परिवार की गहरी पीड़ा और हिंदू समुदाय में बढ़ते गुस्से और असुरक्षा की भावना से अवगत कराया। उन्होंने आतंकी हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के प्रयासों के प्रति संघ का समर्थन भी दिया। आरएसएस के एक सीनियर पदाधिकारी ने बताया, 'यह महज शिष्टाचार भेंट नहीं थी। जमीनी स्तर पर माहौल तनावपूर्ण है। हिंदू आहत और नाराज हैं। संघ का मानना ??है कि सरकार के साथ खड़ा होना जरूरी है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जनभावनाओं को समझा जाए और जिम्मेदारी से आगे बढ़ाया जाए। यह इमरजेंसी का समय है और इसलिए भागवत जी ने खुद पीएम से मुलाकात की। मोहन भागवत की यह मुलाकात प्रतीकात्मक और रणनीतिक रूप से अहम तो है ही, लेकिन इससे जो संदेश जाता है, वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। अपने विशाल जनाधार और वैचारिक प्रभाव के साथ संघ परिवार के पास जनमत बनाने और सरकार को आवश्यकतानुसार समर्थन जुटाने या उसे नियंत्रित करने की क्षमता है। सरकार इस ताकत से वाकिफ है। माना जा रहा है कि वह जनभावनाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों को ध्यान में रखते हुए अपने अगले कदम सावधानी से उठा रही है। आरएसएस के एक अन्य सीनियर पदाधिकारी ने कहा, अगर सरकार को निर्णायक जवाबी कार्रवाई के पक्ष में स्पष्ट और मजबूत जनमत का आभास होता है, तो वह उस दिशा में तेजी से और रणनीतिक रूप से आगे बढ़ सकती है। जनमत यानी पब्लिक ओपिनियन महत्वपूर्ण है। बता दें कि यह मुलाकात पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद हुई है, जहां निहत्थे नागरिकों और पर्यटकों को निशाना बनाकर मार डाला गया था।

20 मई से फिर बिहार में हुंकार भरेंगे प्रशांत किशोर, बोले- लोग बदलाव चाहते हैं, जातिगत जनगणना पर भी कही बड़ी बात

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि बिहार के लोग शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार न होने के कारण बदलाव चाहते हैं। आज मीडिया से बात करते हुए किशोर ने कहा कि बिहार में एक बात तो तय है-लोग बदलाव चाहते हैं। चाहे वे आरजेडी, बीजेपी, जेडीयू के समर्थक हों या किसी भी जाति या धर्म के हों, वे बदलाव चाहते हैं क्योंकि उन्होंने पिछले 30-35 सालों में सभी पार्टियों के नेताओं को देखा है। शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है। वे दूसरे राज्यों में विकास देखते हैं और ठगा हुआ महसूस करते हैं। राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल किए जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमें ऐसी किसी जनगणना या सर्वेक्षण से कोई दिक्कत नहीं है जो समाज को बेहतर समझ देता हो, लेकिन हमने बिहार में देखा है कि केवल जातिगत सर्वेक्षणों से देश की स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि यह तभी संभव होगा जब सरकार सर्वेक्षणों से निकले निष्कर्षों के आधार पर काम करेगी। किशोर ने सुझाव दिया कि बदलाव अपरिहार्य है, हालांकि इस पर बहस हो सकती है कि इसका नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा, 'इस पर बहस हो सकती है कि बदलाव का अगुआ कौन होगा। यह जन सुराज हो सकता है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि वे (लोग) बदलाव चाहते हैं।' किशोर ने आगे कहा कि

जन सुराज 20 मई को 'बिहार बदलाव यात्रा' शुरू करेगा। यात्रा से पहले, पार्टी 11 मई को राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी, जिसमें प्रमुख मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विफलताओं को निशाना बनाया जाएगा। किशोर ने कहा, 'हम बिहार में एक करोड़ लोगों से तीन मुद्दों- जाति जनगणना, दलित महादलित परिवारों को भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण पर नीतीश कुमार के ट्रैक रिकॉर्ड के बारे में बात करेंगे।'- जन सुराज अपना पहला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़े थे, लेकिन चुनावी प्रभाव छोड़ने में विफल रही। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। किशोर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। उन्होंने कहा, 'विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कुछ मुद्दे केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। ऐसे मामलों में हर नागरिक, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से क्यों न जुड़ा हो, सरकार के साथ खड़ा होता है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को बैसरन मैदान में पर्यटकों पर आतंकवादियों के हमले में 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं।

पहलगाम हमले को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने किया पीएम मोदी का समर्थन

-कहा- हमारे पास भी परमाणु बम है, अगर दुश्मनी चाहते हो तो हम तैयार हैं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी के लिए समर्थन जताया है। इसके साथ फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के गायब होने वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान को आगे की उकसावेबाजी के खिलाफ चेतावनी देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि हमने पीएम मोदी को पूरा समर्थन दिया है। उसके बाद हमसे सवाल नहीं किया जाना चाहिए। पीएम मोदी को जो भी काम करना है, वह करना चाहिए।

परमाणु शक्ति होने के पाकिस्तान के बार-बार के दावों का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने उन्हें भारत की अपनी क्षमताओं की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे पास भी परमाणु बम है और हमारे पास यह उनसे पहले भी थे। भारत के गैर-आक्रामक होने के रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने पहले कभी किसी पर हमला नहीं किया। यह सब वहीं से शुरू हुआ और हमने जवाब दिया। आज भी हम इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, जब तक कि वे इसका इस्तेमाल न करें, लेकिन अगर वे इसका इस्तेमाल करते हैं, तो हमारे पास भी है। ऊपर वाला ऐसी स्थिति कभी न आने दे।

कांग्रेस पार्टी द्वारा पीएम मोदी की आलोचना करने पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस ने 28 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी को गायब बताने वाला पोस्टर शेयर किया था, जिसके बाद से बीजेपी और कांग्रेस के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया था। हालांकि, इस पोस्टर को बाद में डिलीट कर दिया गया। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के कथन को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे कहां लापता हैं। मुझे पता है कि वह दिल्ली में हैं।

उन्होंने भारत की धरती पर बार-बार आतंकवादी हमलों के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुंबई हमला हुआ और यह साबित हो गया कि उन्होंने इसे अंजाम दिया। पठानकोट और उरी हमला भी उन्होंने किया। उन्होंने कारगिल युद्ध किया और मैं उस समय मुख्यमंत्री था। अब्दुल्ला ने कहा कि वे इसमें शामिल नहीं थे, लेकिन जब हमने कड़ी कार्रवाई की, तो वे मदद मांगने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भागे थे। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर वे दोस्ती चाहते हैं, तो ऐसी चीजें जारी नहीं रह सकतीं। इसे रोकना होगा, लेकिन अगर वे दुश्मनी चाहते हैं, तो हम तैयार हैं।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर चीन और भारत की एक नीति पर पाकिस्तान का कोई इमान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीएएन के मुताबिक, दुनिया के नौ देशों के पास कुल मिलाकर करीब 12,000 से ज्यादा परमाणु हथियार मौजूद हैं। ये देश रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस, यूके, पाकिस्तान, भारत, इजरायल और उत्तर कोरिया हैं। इसमें सबसे ज्यादा 5,889 परमाणु हथियार रूस के पास हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका है, जिसके पास 5,224 हथियार हैं। जरूरी बात ये है कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार इटली, तुर्किये, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड्स में भी तैनात कर रखे हैं। लेकिन जिन देशों के पास परमाणु हथियार हैं, वे इनके इस्तेमाल को लेकर बेहद गंभीर और जिम्मेदार रवैया रखते हैं। हर देश ने अपने-अपने स्तर पर परमाणु हथियारों के उपयोग को लेकर नियम और नीति बना रखी है। हालांकि पाकिस्तान को लेकर अक्सर आशंका रहती है, क्योंकि वहां के कई नेता और यहां तक कि संसद सदस्य भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दे चुके हैं।

क्या है भारत और चीन की नीति

भारत और चीन दोनों ने परमाणु हथियारों को लेकर अपनी-अपनी स्पष्ट नीतियां बना रखी हैं। भारत ने 1999 में नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति की घोषणा की थी। भारत ने कहा था कि वह कभी भी किसी देश पर सबसे पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। रिपोर्ट बताती है कि भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने भी अपनी किताब में नीति का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत की रणनीति न्यूनतम प्रतिरोध और नो फर्स्ट यूज के सिद्धांत पर आधारित है। भारत की इस नीति का मकसद संदेश देना है कि वह परमाणु हथियारों का उपयोग सिर्फ आत्मरक्षा के लिए करेगा, वह भी तब जब उस पर परमाणु हमला हो जाए। वहीं चीन की नीति भी भारत की तरह है। 16 अक्टूबर 1964 को अपने पहले परमाणु परीक्षण के तुरंत बाद, चीन ने ऐलान किया था कि वह किसी भी वक्त और किसी भी हालात में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। यह नीति 2025 तक आधिकारिक रूप से बरकरार है।

लेकिन पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर कोई स्पष्ट और आधिकारिक नीति नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया है। इसके उलट, पाकिस्तान ने फर्स्ट यूज यानी पहले हमला करने को अपनी नीति का हिस्सा बना रखा है। इसके मायने ये है कि पाकिस्तान जरूरत पड़ने पर किसी भी समय परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। हाल ही में पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि हमने शाहीन, गौरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइलें भारत के लिए तैनात कर रखी हैं।

पलकों पर लगाएँ मस्कारा

खूबसूरत आँखों में घनी पलकें चार चाँद लगा देती हैं। आपकी पलकें घनी नहीं हैं तो आपके लिए मस्कारे का विकल्प मौजूद है। मस्कारा लगाइए और अपनी पलकों को खूबसूरती बढ़ाइए। पर साथ में यह भी जरूरी है कि आप कुछ जरूरी बिंदुओं का ध्यान रखें-

- अपने मस्कारा वेंड को कम से कम महीने में एक बार साफ करें। जिससे इसमें जमा हुआ पदार्थ निकल जाएगा और ब्रिस्टल्स पर बैक्टीरिया का जमाव भी खत्म हो जाएगा। साफ करने के लिए वेंड पर वेसलीन लगाइए और सारा पदार्थ धीरे से पोंछ दीजिए। पानी से मस्कारा पूरी तरह से नहीं निकलता है और साबुन के प्रयोग से आपकी आँखों को नुकसान हो सकता है। मस्कारा की उम्र तीन से चार महीने तक ही होती है।
- यदि आप मस्कारा लगा रही हैं तो एक नम टिश्यू पेपर अपने हाथ में रखें जिससे इधर-उधर फैला हुआ मस्कारा सूखने के पहले ही साफ कर सकें।
- अपनी पलकों के लिए विशेष रूप से मिलने वाला लैश कंडीशनर भी प्रयोग कर सकती हैं। इससे पलकों के बाल टूटते नहीं और मस्कारा लगाने में भी आसानी होती है।
- यदि जरूरी लगे तो अपनी पलकों को मस्कारा लगाने के पहले कर्ल कर लें।
- अच्छे परिणामों के लिए मस्कारा वेंड को थोड़ा सा झटक लें या टिश्यू पर इसे हल्का सा दबा लें।
- वेंड को पलकों की जड़ों से लेकर सिरों तक एक ही स्ट्रोक में ले जाएँ।
- एक कोट के बाद कुछ देर सूखने दें फिर दूसरा कोट लगाएँ।
- यदि आपकी आँखों के नीचे काले घेरे हो रहे हैं तो काले रंग का मस्कारा इन्हें और अधिक दिखाएगा इसलिए रंगहीन या भूरे रंग के मस्कारा का प्रयोग करें।
- रात को सोने से पहले दूसरे मेकअप की तरह मस्कारा को भी निकालना न भूलें।

बस तो फिर अपनी आँखों को बनाइए और भी चमकीला और इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर कीजिए मस्कारा का प्रयोग।

सुंदर काया का राज

हमारे रसोईघर में ही सुंदरता का खजाना छिपा होता है परंतु क्या कभी हमने अपनी काया को चमकाने के लिए अपने रसोईघर में मौजूद अनाज, फल व सब्जियों का प्रयोग किया है? हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे घरेलू पैक, जो आपकी काया को सुंदर बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे -

- यदि आपकी त्वचा ऑयली है तो गुलाबजल में बेसन मिलाकर उबटन चेहरे और शरीर पर लगाएँ तथा कुछ समय बाद पानी से नहा लीजिए।
- हल्दी पावडर को मक्खन में मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की त्वचा मुलायम व चिकनी हो जाती है।
- बालों के लिए मलाई, बेसन व दही मिलाकर लगभग आधा घंटे तक बालों में लगाकर रखिए तथा बाद में बाल को हल्के गर्म पानी से धो लें।
- गेहूँ का आटा, जौ व दूध को मिलाकर बने उबटन को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखर आती है।
- दूध में चने की दाल भिगोकर उसे पीस ले। अब उसमें थोड़ी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएँ।
- बेसन में मलाई, हल्दी व दही मिलाकर इस पैक को पूरी शरीर पर लगाएँ तथा कुछ समय बाद नहाने से आपकी त्वचा कोमल व चमकदार होती है।

बेसन बर्फी

सामग्री : 500 ग्राम बेसन, एक कप दूध, 750 ग्राम शक्कर, 5-7 इलायची, केसर, जायफल, 2 बड़े चम्मच घी।

विधि : सर्वप्रथम मोटा पिसा हुआ बेसन लेकर उसे छान लें। उसमें घी का मोयन डालकर दूध से कड़ा आटा गूँथ लें। अब उसकी मोटी-मोटी लोई बनाकर उसे अच्छा-सा मोटा रखकर पूरी जितना बड़ा बेल लें। ओवन गर्म करने रख दें और उसमें तैयार सामग्री रख दें। इसे धीमी आँच पर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें। ध्यान रखें कि इसमें दाग न पड़ने पाए।

दोनों तरफ से अच्छी तरह सिंकने के पश्चात उसे थाली में गरम-गरम ही हाथ से बारीक करके मसलते जाएं। थोड़ी ही देर बाद उसका अच्छा बारीक बूरा तैयार हो जाएगा। इसे स्टील की बड़ी छेदवाली चालनी से छान लें। और बाकी बचे मिश्रण को मिक्सी में बारीक कर फिर छान लें।

सभी आटे का बूरा तैयार होने के पश्चात कड़ाही में थोड़ा-सा घी लेकर मिश्रण को धीमी आँच पर गुलाबी होने तक सेंकें या तब तक सेंकें जब तक उसमें से खुशबू नहीं आती।

शक्कर में 1 गिलास के करीब पानी डालकर 3 तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी बनने के पश्चात उसमें 1 चम्मच घी, इलायची पावडर, केसर और जायफल और तैयार बूरा डालकर एकसार मिला दें। अब थाली में घी लगाकर मिश्रण को थाली में फैला दें। थोड़ी ठंडी होने के पश्चात चाकू से बर्फी के आकार में काट लें। लीजिए तैयार है बेसन की स्वादिष्ट बर्फी खास त्योहारों के लिए।

नोट: चाशनी बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि चाशनी ज्यादा कड़क ना बने वरना ? बर्फी कड़क हो जाएगी।

इन्हें फैंकिए नहीं

- नींबू के छिलकों को गूदे से अलग करके टुकड़े कर लें। अचार बनाने की विधि से इन छिलकों का अचार बना लें।
- पपीते व तरबूज के छिलके गूदे की तरफ से हाथों-पैरों पर मलें और आधा घंटा सुखा कर पानी से धो लें। त्वचा पर झुर्रियां नहीं पड़ेंगी और त्वचा का रंग साफ रहेगा।
- आलू और लौकी के ताजे छिलकों को चेहरे पर मलेंड़ एक सप्ताह में ही चेहरा दमदमाने लगेगा।
- छोटी या बड़ी इलायची के छिलके चाय और शक्कर के डिब्बों में डाल दें। चाय में इलायची की खुशबू आया करेगी।
- करेले के छिलके सुखाकर दाल, चावल आदि के डिब्बों में डाल देने से कीड़ा नहीं लगता।
- डबल रोटी सूख गई हो तो उबलते पानी या दूध की भाप पर रख कर उलटने-पलटने से नर्म और खाने योग्य हो जाती है।
- आटे के चोकर में थोड़ा दही, हल्दी, नींबू का रस, शहद मिलाकर लेप करें। त्वचा चमक जाएगी।

भावी बच्चे के लिए जरूरी चीजे

जैसे ही कोई दंपति जान जाते हैं कि वे माता-पिता होने वाले हैं, उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहता। अपने नन्हें शिशु के आने का सुखद इंतजार करना भी उन्हें कठिन लगने लगता है।

पूरे नौ महिने वे अपने लाड़ले या लाड़ली के लिए चीजें सहेजते रहते हैं। इन चीजों में महत्वपूर्ण होते हैं बच्चे के कपड़े। जब आप बाजार जाते हैं तो वहाँ आपको इतनी चीजें लुभाती हैं कि आप समझ ही नहीं पाते कि क्या खरीदें और क्या नहीं?

छोटे बच्चों के लिए जिन चीजों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, माता-पिता अक्सर बच्चों के लिए जरूरी चीजें छोड़कर वो चीजें ले आते हैं, जिनकी जरूरत तब उन्हें होती ही नहीं है। जैसे रजाई, गद्दे, खिलौने और जेवर भी।

इन बातों को ध्यान में रखें :

- बच्चे के लिए जन्म के बाद जिन चीजों की जरूरत होती है, सबसे पहले उसकी लिस्ट बनाएँ। फिर किसी बड़े की सलाह लेकर ही सामान खरीदने जाएँ।
- नवजात बच्चे के लिए कपड़े की सॉफ्ट नैपी, झबले, कार्डीगन, टोपी, मोजे, तौलिया, रूमाल, बच्चों को ओढ़ाने का नर्म कपड़ा आदि चीजें तो होना ही चाहिए।
- नन्हे के सभी कपड़े मुलायम होने चाहिए। सूती या होजयरी के वस्त्र इस लिहाज से उत्तम हो सकते हैं। बच्चे के कपड़े में कभी भी कलफ न दें। बच्चे के कपड़े हमेशा आगे बटन पट्टी वाले खरीदें। इससे कपड़े उतारने और पहनाने दोनों में सुविधा होती है।
- बच्चे के कपड़े में कभी भी इलास्टिक या खींचकर बाँधने वाली डोरी नहीं लगाना चाहिए। इससे बच्चे का रक्त संचार प्रभावित होता है। टिच बटन, वेलक्रो टेप, फीते या बटन लगाना ठीक रहता है।
- लेस या दूसरी चीजें लगी ड्रेस सुंदर जरूर लगती है पर छोटे बच्चे के लिए लेस या जालीदार डिजाइन का चुनाव देखकर करें। बच्चे की त्वचा बड़ी कोमल होती है, इसलिए उनके वस्त्रों को ऐसे डिजाइन करें कि कम से कम सिलाई व बटन हों, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा फ्री रहें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय चेखाल करेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। बेवजहों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। सिर के बाल में आ रही बाधा सम्भवत पश्चात् दूर हो जाएंगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। आनंदेन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता होगी। कुछ एकाकाल की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यवस्था से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर को जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कब भी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। सहयोग कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरे संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। धन-पाजन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक होगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी होगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का साथ लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम होगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर को जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न के बाद समस्याएं कमजोर होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्यवधानकारी सिद्ध होगा। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3516

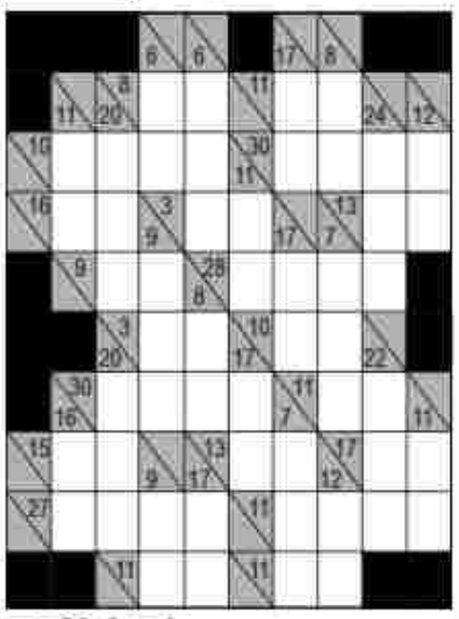

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ करने पर उसके आगे वर्ग की संख्या में अंक आनी चाहिए। किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

काकुरो - 3515 का हल

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तुम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'

'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'

'नहीं तो ?'

'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले, 'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

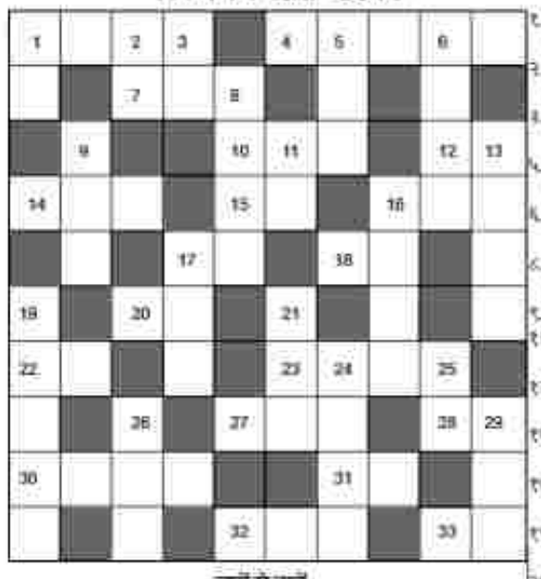

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 3516

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-३,१,२
७. बहुरूपन, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'जो वादे थे बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, अंकिता, सोनिया की फिल्म-३
१२. 'अनुपम रसा सहित अमित प्रतिभा' का एकता कौन है ?-२
१४. 'भोली रे मोली मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा पालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मीरा की 'नकश ही गाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली मिठो सेलेश्चल, सेखक की फिल्म-३
१७. महीर, अतुल अग्निहोत्री की 'चंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश में और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शाह, मनीषा की 'जो गोरी तू काली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल दिल तेरा ही खुदा' गीत वाली अभिताभ, आयशा की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'तम्मा रे तम्मा' गीत वाली फिल्म-४
२४. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२६. सलमान खान, स्नेहा की 'तुम क्या जानो तुम क्या हो' गीतवाली फिल्म-२
२७. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'वह प्रेमधार जाएगा कहाँ जो' गीत वाली फिल्म-२
३२. जयाकृष्णा, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. राज, जावेद, फजीन, रेखा, जौहिता की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'चुराली चोली का' गीत वाली संजीव, शशि, निरुपिया, विलिया की फिल्म-२
२. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, हेमा, मौसमी की 'ये कैसी तारी आया' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा मन उलझा' गीत वाली सुनीलदत्त, विनोद, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रवीना, गोविंदा, शिल्पा की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम तो तुम पैसों का' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली मनोज कुमार, विनोद, शर्मिला की फिल्म-३
२१. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'जो मुहिम को कहना' गीत वाली संजयदत्त, मधु की फिल्म-३
२५. अनिल कपूर, रेखा की 'दिल बेचैन था तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'इस टूटे दिल को चैन' गीत वाली फिल्म-४
२८. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या की फिल्म-३
२९. आमिर, गैंग, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3515

सूडोकु -3516

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक खड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3515 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 3516

बाएँ से दाएँ

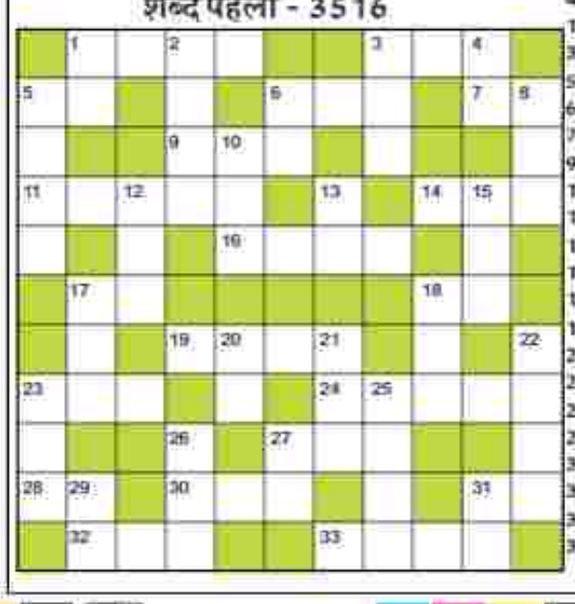

1.असमंजस,दुविधा-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.साहस,हिम्मत-3
7.माँ का भाई-2
9.बारह वर्ष की अवधि-3
11.चालाकी,धूर्तता-5
14.हाल,दैन्य-3
16.लूटपाट-4
17.जादू मंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेनापति-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.सुविधा,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिचर-2
32.दवाखाना,कुनबा-3
33.देश वाला, उसके वासी-4

ऊपर से नीचे

1.गेंदों का पात-2
2.ओरंगजेब-4
3.अद्भुत,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.अधीनता,ठेका-4
6.एक पौधा,अकुआ,आक-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.अरविंद,एक सब्जी-3
12.पैर,अंग-3
13.अरमान-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महादेव-3
20.पैदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.असमानता-4
23.नागरिक (उर्दू-3)
25.अलगाव-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.दाद-खाज-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.ठीर,बाग-2

शब्द पहेली - 3515 का हल

मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला आज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में वैभव सूर्यवंशी की रिकार्ड पारी से गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने से टीम के हौसले बुलंद हैं। वैभव ने गुजरात के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। राजस्थान की टीम अब इस मैच में भी वैभव से ऐसी ही पारी की उम्मीद कर रही है।

कप्तान संजू सैमसन के फिट नहीं होने के कारण वैभव ने इस सत्र में पदार्पण करते हुए अब तक कमाल की बल्लेबाजी की है। इस मैच में भी सैमसन का खेलना तय नहीं है। ऐसे में वैभव और यशस्वी जायसवाल के ही पारी शुरू करने की संभावना है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में देखना होगा कि वैभव मुम्बई के खिलाफ मैच में जसप्रीत बुमराह का मुकाबला किस तरह से करते हैं। इस मैच में राजस्थान की ओर से खेल रहे वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर को भी रन बनाने होंगे। हेटमायर अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। राजस्थान की गेंदबाजी इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर पर आधारित रहेगी। वहीं संदीप शर्मा अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

वहीं दूसरी और मुम्बई इंडियंस ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। उसने पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था। बुमराह के टीम से जुड़ने के बाद से ही टीम को लाभ हुआ है। उसके बल्लेबाज रोहित शर्मा भी फॉर्म में आ गये हैं। ऐसे में रॉयल्स के गेंदबाजों की राह आसान नहीं है। उसने अब तक पांच मैच जीत लिए हैं और उसके विजय अभियान को रोकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। मुम्बई के पास सूर्यकुमार जैसा टी20 का नंबर एक बल्लेबाज है। जिनपर अंकुश लगाना रॉयल्स के गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। अंक तालिका की बात करें तो मुम्बई दूसरे नंबर पर है। वहीं राजस्थान की टीम काफी नीचे आठवें नंबर पर है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल, कुणाल सिंह राठौड़, रियान पराग, युद्धवीर सिंह चरक, नितीश राणा, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेना मफाका, वानिंदु हसरंगा, महेश थीक्षणा, फजलहक फारूकी, अशोक शर्मा, जोफ्रा आर्चर।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, बेवोन जैकब्स, रयान रिकेल्टन, रॉबिन मिंज, कृष्णन श्रीजीत, नमन धीर, राज बावा, विग्नेश पुथुर, मिचेल सेंटनर, जसप्रीत बुमराह, अर्जुन तेंदुलकर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपली, लिजाड विलियम्स, कर्ण शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, सत्यनारायण राजू, मुजीब उर रहमान।

प्रतिका रावल ने रचा नया इतिहास, वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवां अर्धशतक जमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल ने अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवीं बार अर्धशतक लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह वनडे क्रिकेट में लगातार पांच बार अर्धशतक जड़ने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं।

इसके अलावा प्रतिका ने अपने वनडे करियर के महज आठवीं पारी में 500 रन पूरे करके एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह सबसे तेज 500 रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला के दूसरे मैच में प्रतिका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने इस पारी के दौरान हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रनों की अहम साझेदारी भी की। इससे पहले वह स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़ चुकी थीं। मंधाना 36 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन प्रतिका ने पारी को आगे बढ़ाते हुए न केवल अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया बल्कि एक और अर्धशतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा दिया। इस त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थीं।

इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में हुई घरेलू सीरीज में भी प्रतिका का बल्ला खूब बोला था। उन्होंने उस सीरीज में क्रमशः 89, 67 और 154 रन की पारियां खेली थीं। 15 जनवरी 2025 को खेले गए मैच में प्रतिका ने 154 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी, जिसने उन्हें अचानक सुर्खियों में ला दिया था। प्रतिका रावल की इस निरंतरता और फॉर्म को देखकर क्रिकेट जानकारों का मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की रीढ़ बन सकती हैं। जब सबकी निगाहें मंधाना, शेफाली, हरमनप्रीत और जेमिमा पर होती हैं, ऐसे में प्रतिका अपनी प्रतिभा से एक अलग पहचान बना रही हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह त्रिकोणीय सीरीज में भारत को खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सूर्यवंशी पर लगातार फोकस गैर जरूरी, लेकिन क्या कर सकते हैं : द्रविड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी पर जरूरत से ज्यादा फोकस राहुल द्रविड़ नहीं चाहते लेकिन राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच को बखूबी पता है कि इसे रोकना उनके बस में नहीं है। सूर्यवंशी पर सवालों की बौछार से साबित हो गया कि क्रिकेट जगत कुछ समय तक इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर को अकेले नहीं छोड़ने वाला। उन्होंने कहा कि बिहार के इस युवा खिलाड़ी को सनसनी मिली स्पाटलाइट से निपटने का तरीका खुद तलाशना होगा।

भारत के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभी कुछ समय उस पर ऐसे ही फोकस रहेगा। लोग उसके बारे में बात कर रहे हैं जिसे मैं रोक नहीं सकता। मैं यहां बातचीत के लिए आया हूं और मुझसे सिर्फ वैभव के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'उसके लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन रोमांचक भी। मैं कहना चाहता हूं कि इतना ज्यादा फोकस उस पर नहीं करें लेकिन मुझे पता है कि ऐसा होगा नहीं।' उन्होंने कहा, 'हमें पता है कि ऐसा होगा और इसलिए इससे निपटने में उसकी मदद कर रहे हैं। भारत में क्रिकेटर होने का यह हिस्सा है। इससे बच नहीं सकते।'

ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल जैसे कई युवा खिलाड़ी तैयार कर चुके भारत के पूर्व अंडर 19 कोच ने बताया कि सूर्यवंशी क्यों खास है। उन्होंने कहा, 'इस तरह निर्भीक होकर खेलना और हालात का दबाव नहीं लेना खास है। इतनी कम उम्र में ऐसा देखने को नहीं मिलता। उसके पास इतने बेहतरीन शॉट्स भी हैं। वह अभी और सिखेगा। अब टीमें उसके खिलाफ तैयारी के साथ उतरेंगी।'

बातचीत के दौरान सूर्यवंशी की एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई जिसमें उसने द्रविड़ की तारीफ की है लेकिन द्रविड़ ने उसकी कामयाबी का श्रेय लेने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'सबसे ज्यादा श्रेय उसी को जाता है। मेरा श्रेय लेना गलत होगा। उसके पिता ने काफी सहयोग किया और राजस्थान रॉयल्स में कई लोग उसके साथ हैं।'

विराट कोहली को 'दोस्त' नहीं मानता आरसीबी का यह दिग्गज, कही चौकाने वाली बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी ओपनर फिल सॉल्ट ने विराट कोहली से दोस्ती की खबरें नकार दी हैं। हाल ही में सॉल्ट आरसीबी के मिस्टर नैग्स शो में पहुंचे थे। सॉल्ट ने पहले कहा कि वह -सिर्फ सहकर्मी- हैं, लेकिन फिर उन्होंने पूर्व आरसीबी कप्तान पर अपना रुख बदल दिया। मेगा नीलामी में 11.5 करोड़ रुपए में खरीदे गए सॉल्ट ने इस सीजन में 168.30 की स्ट्राइक रेट से 9 पारियों में 239 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। आरसीबी भी अंक तालिका में टॉप पर है क्योंकि उन्होंने घर से बाहर अपने 7 में से 6 मैच जीते हैं। बता दें कि दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में जब सॉल्ट और कोहली ओपनिंग कर रहे थे तब अच्छे टच में होने के बावजूद सॉल्ट कोहली की एक गलत कॉल के कारण रन आउट हो गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर विराट खूब ट्रोल हुए थे।

दरअसल, आरसीबी ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट की है जिसमें फिल सॉल्ट ने विराट कोहली के साथ अपने रिश्ते के बारे में अपनी मजेदार प्रतिक्रिया से लोगों का मनोरंजन किया। उन्होंने मुस्कुराते हुए स्पष्ट किया कि वे जिसके साथ भी क्रिकेट खेलते हैं, वे सभी उनके दोस्त हैं। होस्ट ने पहले पूछा कि आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि आईपीएल में कोई दोस्त नहीं है तो, जब आप विराट के साथ खेलते हैं, तो क्या आप उनके दोस्त होते हैं या नहीं? इस पर सॉल्ट ने कहा कि नहीं, वह मेरे सहकर्मी हैं। जब उनसे दोबारा यह सवाल पूछा गया, तो सॉल्ट ने होस्ट से कहा कि मैं जिनके साथ क्रिकेट खेलता हूं, वे सभी मेरे दोस्त हैं। मैं आपको इस इंटरव्यू में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं देना चाहता था।

विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2025 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भले ही उनका स्ट्राइक रेट सर्वश्रेष्ठ न हो, लेकिन निरंतर रन बनाना टीम की जीत के लिए निर्णायक रहा है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 10 पारियों में 63.28 की औसत और 138.87 की स्ट्राइक रेट के साथ 443 रन बनाए हैं। वह गुजरात टाइटन्स के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (9 मैचों में 456 रन) के बाद टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। कोहली ने 6 अर्धशतक लगाए, जिनमें 4 सफल रन चेज में आए। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 163 रनों का पीछा करते हुए आरसीबी 26/3 पर संकट में थी, लेकिन कोहली की 47 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी ने टीम को जीत दिलाई।

पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने आयु धोखाधड़ी पर जताई चिंता, सूर्यवंशी की उम्र पर सवाल के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सवाल उठाया कि क्या आयु धोखाधड़ी अब क्रिकेट में भी घर कर गई है। आयु धोखाधड़ी, या खिलाड़ी की आयु को गलत तरीके से पेश करने की प्रथा भारतीय खेलों में एक बड़ी समस्या है, खासकर जूनियर और आयु-समूह स्तर पर। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने इस मुद्दे को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई कदम उठाए हैं। ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भाई आज कल उम्र छोटी करके क्रिकेट में भी खेलने लगे हैं।' विजेंदर सिंह की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आयु पर सवाल उठाए जाने के बाद आई है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। अपना तीसरा आईपीएल मैच खेल रहे 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक जड़कर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। किशोर बल्लेबाज ने 35 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया, जो आईपीएल में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज और अब तक का दूसरा सबसे तेज शतक है।

केकेआर के प्लेऑफ की संभावनाएं बनाने रखने जीतने होंगे सभी मैच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के साथ ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की प्लेऑफ में पहुंचने की हल्की सी संभावना बनती दिख रही है। केकेआर ने इस सत्र में चौथी जीत हासिल की है और उसके 10 मैचों में 4 जीत के साथ ही 9 अंक हो गए क्योंकि एक मैच पूरा नहीं हो पाया था। केकेआर अभी अंक तालिका में सातवें नंबर पर है। केकेआर के लिए अपनी बल पर सीधे प्लेऑफ में जगह बनाना सम्भव नहीं है इसके लिए उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। केकेआर को अभी चार लीग मैच खेलने हैं और अगर वह सभी में जीतती है तो 17 अंकों तक पहुंच सकती है। वहीं अगर टीम 1 मैच हारती है तो उसके 15 अंक होंगे और वह बाहर हो जाएगा। उसे प्लेऑफ के लिए जीत के साथ ही बेहतर रन रेट भी रखना होगा। आईपीएल के इस सत्र में केकेआर 4 मई को राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी, इसके बाद 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स फिर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। केकेआर का अंतिम लीग मैच 17 मई को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से होगा। इस समय अंक तालिका में आरसीबी शीर्ष पर है। उसने में 7 जीत के साथ ही 14 अंक हासिल किए हैं।

पहली गेंद पर छक्का लगाना बताया सामान्य बात : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान में जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी करने उतरे, तो किसी ने नहीं सोचा था कि वो इतने कम उम्र में इतिहास रच देंगे। लेकिन उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर आईपीएल में अब तक का सबसे युवा शतकवीर बनने का कीर्तिमान हासिल कर लिया। यह उनका आईपीएल में महज तीसरा मैच था, जिसमें उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलते हुए ये कारनामा किया। वैभव इससे पहले लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में भी पहली गेंद पर छक्का लगाकर सबका ध्यान खींच चुके थे। वैभव कहते हैं पहली गेंद पर छक्का लगाना उनके लिए नई बात नहीं है। मैं अंडर-19 और घरेलू मैचों में भी ऐसा कर चुका हूं। अगर गेंद मेरी रेंज में होती है तो मैं उसे मारने से नहीं चूकता। मुझ पर कोई दबाव नहीं था। मैंने बस अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। बिहार के समस्तीपुर जिले से आने वाले वैभव का जन्म आईपीएल शुरू होने के तीन साल बाद हुआ था। इतनी कम उम्र में उन्होंने जो मुकाम हासिल किया है, उसके पीछे उनके माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है। वैभव ने बताया कि उनकी मां अक्सर रात को 11 बजे सोने के बाद सुबह तीन बजे उठती हैं ताकि उनके अभ्यास में कोई कमी न रहे। वहीं उनके पिता संजीव ने बेटे के क्रिकेट करियर को सपोर्ट करने के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी। वैभव ने कहा, मेरे पापा ने सब कुछ छोड़ दिया, मेरा भाई अब काम करता है और किसी तरह घर चलता है। लेकिन मेरे माता-पिता ने कभी हार नहीं मानी। इतनी कम उम्र में मिली कामयाबी के बावजूद वैभव का ध्यान सिर्फ अपने खेल पर है। उनका कहना है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक खेलना चाहते हैं और इसके लिए वह लगातार मेहनत करते रहेंगे।

बांग्लादेश पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा, पीसीबी ने जारी किया पूरा शेड्यूल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि बांग्लादेश मई में पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। यह सीरीज 25 मई से 3 जून तक फैसलाबाद और लाहौर में खेली जाएगी। शुरुआत में फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) के तहत तीन वनडे और तीन टी20 सीरीज के रूप में निर्धारित इस दौरे को संशोधित कर पांच टी20 मैच शामिल किए गए हैं।

पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'यह सीरीज, जो फ्यूचर टूर प्रोग्राम का हिस्सा है, में मूल रूप से तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल थे। हालांकि अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के साथ, दोनों बोर्ड ने वनडे की जगह दो अतिरिक्त टी20 मैच कराने पर आपसी सहमति जताई है।' इकबाल स्टेडियम, जिसने 1978 से 2008 के बीच 24 टेस्ट और 16 वनडे मैचों की मेजबानी की है, 17 साल के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का स्वागत करेगा। इस ऐतिहासिक स्थल पर आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2008 में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच वनडे मैच था।

पिछले साल सितंबर में चैंपियंस वन-डे कप और पिछले महीने नेशनल टी20 कप की सफलतापूर्वक मेजबानी करने वाले इस स्टेडियम में क्रमशः 25 और 27 मई को होने वाले सीरीज के पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम 30 मई, 1 और 3 जून को होने वाले शेष तीन टी20 मैचों की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश की टीम 21 मई को पहुंचेगी और 22 से 24 मई तक इकबाल स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेगी।

पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश सीरीज का कार्यक्रम

25 मई - पहला टी20 : इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद

27 मई - दूसरा टी20: इकबाल स्टेडियम, फैसलाबाद

30 मई - तीसरा टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

एक जून - चौथा टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

3 जून - पांचवां टी20 : गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

कुलदीप ने रिंकू को मारे थप्पड़

नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद एक ऐसी घटना हुई जिससे सभी हैरान रह गये। इस मैच में कैपिटल्स को मिली हार के बाद टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने केकेआर के क्रिकेटर रिंकू सिंह को कई थप्पड मार दिये। इस मैच में दिल्ली की टीम 205 रनों का लक्ष्य हासिल करने में असफल रही थी। मैच के बाद कुलदीप ने हंसी मजाक में रिंकू को थप्पड़ मार दिये। रिंकू इससे नाराज दिखे और कुछ बोलते नजर आये। मैच समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ी एक साथ मिलकर बातचीत कर रहे थे तभी ऐसा हुआ। इस दौरान कुलदीप और रिंकू साथ ही में थे और दोनों बातें भी कर रहे थे पर कुलदीप ने अचानक ही रिंकू को थप्पड मार दिये। कुलदीप और मारते इससे पहले ही रिंकू ने अपना चेहरा पीछे कर लिया। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने टीम को मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा, मुझे लगता है कि विकेट अच्छा था पर हमने पावरप्ले में 15 से 20 रन ज्यादा दे दिए। हमने कुछ विकेट भी आसानी से खो दिए। बल्लेबाजी की बात करें तो भले ही कुछ बल्लेबाज विफल रहे पर 2 से तीन बल्लेबाजों ने अच्छा खेला। गौरतलब है कि इससे पहले भी आईपीएल में एक बार थप्पड मारने का मामला सामने आया था। तब हरभजन सिंह ने

गाबा पर संन्यास का फैसला इसलिए लिया क्योंकि... : अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने अपने सौवें टेस्ट के बाद संन्यास लेने का सोचा था लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में यह फैसला इसलिए लिया ताकि अंतिम एकादश में उनको जगह को लेकर 'पूरा सर्कस' फिर से नहीं दोहराया जाए। चेन्नई सुपर किंग्स के नए पॉडकास्ट में अश्विन ने चेन्नई टीम के साथी खिलाड़ी माइक हसी से कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में टीम में जगह नहीं मिलने के बाद संन्यास का फैसला कर लिया था। उस मैच में अश्विन की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खेलने का मौका मिला।

अश्विन ने एडीलेड में दूसरा टेस्ट खेला लेकिन गाबा पर तीसरे टेस्ट में उन्हें मौका नहीं दिया गया जिसके बाद उन्होंने संन्यास का ऐलान किया। अश्विन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं अपने सौवें टेस्ट (मार्च 2024 में धर्मशाला में) के बाद संन्यास लेना चाहता था। फिर मैंने सोचा कि घरेलू सत्र में एक मौका और लेते हैं क्योंकि मैं अच्छा खेल रहा था, विकेट ले रहा था, रन बना रहा था।'

उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा कि चेन्नई टेस्ट (बांग्लादेश के खिलाफ) के बाद संन्यास लूंगा लेकिन फिर मैंने छह विकेट लिए और शतक बनाया। अच्छा प्रदर्शन करते हुए छोड़ना बहुत मुश्किल होता है।' अश्विन ने कहा, 'मैं फिर खेलता गया और फिर हम न्यूजीलैंड से हार गए। फिर मैंने सोचा कि चलो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर देखते हैं कि प्रदर्शन कैसा रहता है। पिछली बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था।'

भारत के लिए 537 टेस्ट विकेट लेने वाले अश्विन ने कहा, 'मैं खेल का मजा ले रहा था लेकिन इसके लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत कर रहा था। सबसे अहम बात थी कि मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था।' उन्होंने कहा, 'फिर जब पर्थ टेस्ट में जगह नहीं मिली तो मैंने सोचा कि यह पूरा सर्कस फिर नहीं दोहराना है। लोगों की नजर में आपके जज्बात की बहुत कम कीमत होती है। वे नहीं समझते कि आप किन भावनाओं से गुजर रहे हैं। मैं संन्यास के बारे में सोच ही रहा था और फिर मुझे लगा कि यह सही समय है।'

मैरी कॉम ने लिया तलाक, बयान जारी, नाजायज रिश्ते पर भी तोड़ी चुप्पी

खेल डेस्क- भारतीय ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने अपने वकील के माध्यम से एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि उन्होंने और उनके पति करुंग ओन्खोलर ने 20 दिसंबर 2023 को आपसी सहमति से तलाक ले लिया है। यह घोषणा सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर चल रही अफवाहों और अटकलों के बीच आई, जिसमें मैरी कॉम का नाम उनके व्यापारिक सहयोगी हितेश चौधरी और अन्य व्यक्तियों के साथ जोड़ा जा रहा था। मैरी ने इन सभी दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया और कहा कि उनका और ओन्खोलर का अलगाव दो साल पहले शुरू हुआ था और यह पूरी तरह आपसी सहमति पर आधारित था।

मैरी कॉम का आधिकारिक बयान- मैरी कॉम के वकील द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'गलत मीडिया रिपोर्टों और अफवाहों को देखते हुए, मैं निम्नलिखित स्पष्टीकरण जारी कर रही हूं- सुश्री एम.सी. मैरी कॉम और श्री करुंग ओन्खोलर अब विवाहित नहीं हैं। दोनों ने 20 दिसंबर 2023 को कोम कस्टमरी लॉ के तहत, दोनों परिवारों और कबीले के नेताओं की उपस्थिति में आपसी सहमति से तलाक को अंतिम रूप दिया।' बयान में आगे कहा गया, 'श्री हितेश चौधरी या किसी अन्य मुक्केबाज के पति के साथ मैरी कॉम के किसी भी तरह के विवाहेतर संबंध की अफवाहों का स्पष्ट खंडन किया जाता है। मीडिया से अनुरोध है कि ऐसी निराधार अटकलों को बढ़ावा न दिया जाए।' मैरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बयान को साझा करते हुए उन सभी अफवाहों को खारिज किया, जिनमें उनके निजी जीवन को लेकर गलत दावे किए जा रहे थे। उन्होंने मीडिया से उनके निजी जीवन में दखल न देने और ऐसी अटकलों को प्रकाशित करने से बचने की अपील की।

ऐसा थोड़ी होता है.. रोहित शर्मा को है इस शब्द से आपत्ति, की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रशंसकों द्वारा 'मुंबई चा राजा' कहे जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी और पूरे करियर में मिले प्यार के लिए प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रोहित ने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में टीम का नेतृत्व किया है और वनडे और टी20 में आईसीसी ट्रॉफी जीती है। सलामी बल्लेबाज के रूप में वह एक दशक से भारतीय टीम की रीढ़ हैं और उनके आंकड़े उन्हें खेल का दिग्गज बनाते हैं। दुनिया भर में रोहित के खूब प्रशंसक हैं, खासतौर भारत में उनके बहुत दीवाने हैं। आम तौर पर मुंबई के मैदानों पर दर्शक 'रोहित-रोहित' के अलावा 'मुंबई चा राजा' जैसे नारे लगाते दिख जाते हैं।

रोहित शर्मा ने एक यूट्यूब चैनल पर प्रशंसकों के प्यार को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी 'मुंबई चा राजा' कहलाने की कल्पना की थी, तो रोहित ने कहा कि यह उनके लिए अविश्वसनीय है। उन्होंने बताया कि एक युवा क्रिकेटर के रूप में, जो रणजी ट्रॉफी में जगह बनाने की कोशिश कर रहा था, उन्होंने कभी ऐसा नहीं सोचा था। रोहित ने कहा कि लोगों का प्यार अनमोल है और मैं इसे हल्के में नहीं लेता। मैं इसकी बहुत कद्र करता हूं। कौन ऐसा सोचता है? ऐसा सोचने वाला पागल होगा। मैं 16 साल का था, क्रिकेट खेल रहा था, रणजी टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहा था। यह कभी नहीं सोचा कि लोग मुझे मुंबई का राजा कहेंगे। ऐसा नहीं होता। रोहित जोकि अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं, मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं। ओपनिंग बल्लेबाज लीग में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैचों में लगातार 2 अर्धशतक लगाए। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने सिर्फ 12 रन बनाए थे। उनसे आगामी मैचों में फिर से रनों की उम्मीद होगी।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं बाबिल, अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी धीरे-धीरे अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बाबिल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई थी। अब बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि वो किस तरह की फिल्म करना चाहते हैं।

अब रॉम-कॉम में नजर आएंगे बाबिल

हाल ही में 'फिल्मीबीट' के साथ बातचीत में बाबिल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी में रोमांस को लेकर बात की। बाबिल ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रोमांटिक शो है। उन्होंने कहा, रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में मेरी गहरी दिलचस्पी है। मैं वास्तव में रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहता हूं। मैं अब एक रॉम-कॉम पर काम कर रहा हूं। हालांकि, बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इतना तय है कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रॉम-कॉम है।

फोन में नहीं हैं बाबिल के कोई सीक्रेट

इस बातचीत के दौरान बाबिल ने अपने रियल लाइफ प्यार और अपने जीवन के सीक्रेट्स को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि मेरे सीक्रेट्स मेरे फोन पर नहीं है। मेरे सारे सीक्रेट मेरे दिल में हैं। अगर मेरा दिल चुरा लिया जाता है, जो आमतौर पर होता है। तो सारे सीक्रेट जाने जा सकते हैं।

अलग-अलग किरदार निभा रहे बाबिल

बाबिल ने अभी इंडस्ट्री में ज्यादा काम नहीं किया है। लेकिन अपने छोटे से करियर में ही वो अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रहे हैं। बाबिल चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते है। जो उनकी फिल्मोग्राफी में देखने को भी मिलता है। जिसमें 'कला' से लेकर 'द रेलवे मैन' और 'लॉगआउट' जैसे अलग-अलग किरदार शामिल हैं।

किन-किन किरदारों में टीवी और फिल्मों में अब तक नजर आईं मौनी रॉय, अब भूतनी बन डराएंगी अभिनेत्री

इन दिनों मौनी रॉय अपनी आगामी भूतिया फिल्म द भूतनी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी ने अपनी शानदार एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों का दिल जीता है। अब मौनी फिल्म द भूतनी में भूतनी बनकर डराने वाली है। इस फिल्म से पहले किन-किन किरदारों से मौनी ने जीता फैंस का दिल...

मौनी के किरदार

मौनी रॉय ने टीवी और फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए, चाहे वह पौराणिक सती हो, थ्रिलर नागिन, रोमांटिक हीरोइन, या फिर निगेटिव रोल। आज मौनी न सिर्फ अपनी एक्टिंग, बल्कि अपने स्टाइल और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'द भूतनी' का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

देवों के देव महादेव से घर-घर में पहचानी गई मौनी

मौनी ने 2007 में एकता कपूर के मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत की। इसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया। मौनी को असली पहचान 2011 में 'देवों के देव महादेव' से मिली, जिसमें उन्होंने सती का पौराणिक किरदार निभाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि मौनी घर-घर में मशहूर हो गई।

नागिन सीरियल से मिली पहचान

2015-2016 में 'नागिन' सीरियल में मौनी ने शिवन्या और शिवांगी की दोहरी भूमिका निभाई। इस थ्रिलर ड्रामे में उनकी नागिन की भूमिका को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, और यह शो टीआरपी में टॉप पर रहा।

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के किरदार से मिली प्रसिद्धि

2022 में 'ब्रह्मास्त्र' में मौनी ने पहली बार निगेटिव किरदार जुनून का रोल निभाया। इस किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया और उनकी वर्सेटिलिटी की तारीफ हुई। मौनी ने 'तुम बिन 2' और KGF: चैप्टर 1' में आइटम नंबर भी किए, जो काफी चर्चित रहे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर फिल्म है। जिसे सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है। फिल्म में मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म का नाम द वर्जिन ट्री रखा गया था, लेकिन अब फिल्म का नाम द भूतनी है।

आध्यात्मिक गुरु की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। अपनी नई फिल्म में वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्हाइट एक ग्लोबल थ्रिलर होगी, जो कोलंबिया 52 साल लंबे चले खूनी गृहयुद्ध को दिखाई। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे श्री रविशंकर ने उसे सुलझाया था। फिलहाल कोलंबिया में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों से चल रहा है। इसी साल जुलाई से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। व्हाइट को जानेमाने ऐड फिल्ममेकर मंटू बासी डायरेक्टर करेंगे। फिल्म को पठान, वार जैसी फिल्म बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाएंगे। खबरों की मानें तो श्री रविशंकर के रोल के लिए विक्रांत ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। श्री रविशंकर की तरह दिखने के लिए एक्टर ने अपने वजन और बालों को बढ़ाया है। इसके अलावा वो आध्यात्मिक गुरु की बॉडी लैंग्वेज जानने के लिए उनसे से मिले थे और उनके वीडियो देखते हैं। बता दें कि 12वीं फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके एक्टर विक्रांत मैसी ने पिछले साल दिसंबर में एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा था अब घर वापस जाने का समय आ गया है।

विक्रांत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद के साल शानदार रहे हैं। मैं आपके लगातार समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे यह एहसास हुआ है कि अब खुद को फिर से संतुलित करने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में भी, तो 2025 में हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। हालांकि 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने एक्टिंग छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था।

हिट 3 के अमेरिका प्रीमियर में शामिल होंगी श्रीनिधि शेट्टी

नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म हिट 3 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म भारत में एक मई को रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इसे 30 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्माता और कलाकार फिल्म के प्रमोशन में जोरों शोरों से लगे हुए हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी बहुत जल्द अमेरिका के लिए रवाना होंगी। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री 30 अप्रैल को अमेरिका के टेक्सास में सिनेमार्क वेस्ट प्लानो सिनेमा के ऑडी 10 में दोपहर 1.30 बजे फिल्म का शो देखेंगी। अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि हिट 3 ने उत्तरी अमेरिका में 175K डॉलर की टिकट बिक्री कर ली है।

'हिट 3' का निर्देशन सैलेश कोलानु द्वारा किया गया है, जिसमें साउथ सुपरस्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी भी हैं।

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर

मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी है। जानते हैं आखिर कौन है अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती है। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती है। इंस्टाग्राम पर उनके 36.3K फॉलोअर्स हैं।

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। फिल्म के लीड एक्टर को लेकर तरह-तरह की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। 22 अप्रैल को इसके निर्माताओं ने मुख्य इसके रिलीज की घोषणा की। रोमांटिक फिल्में पसंद करने वालों को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था।

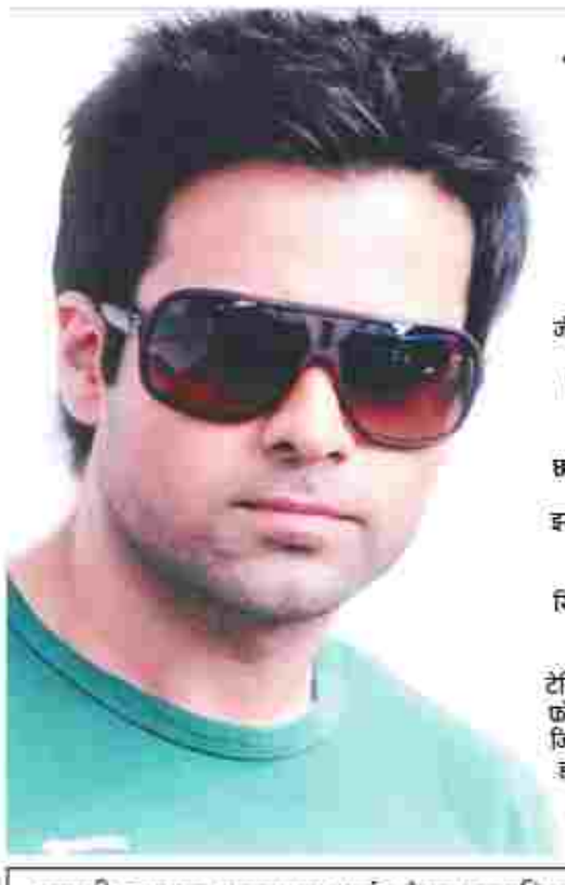

एक कॉमेंट के कारण 1 सेकंड में सब खत्म हो जाता है

इमरान हाशमी ने बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के प्रदर्शन, सोशल मीडिया के प्रभाव और व्यक्तिगत जीवन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिनेमा में दर्शकों की पसंद बदल रही है और फिल्म निर्माताओं को संस्कृति से जुड़ी कहानियों पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया पर संवेदनशीलता को देखते हुए, वे सतर्क रहते हैं।

छावा को अपवाद मान लिया जाए तो दिग्गज स्टार्स भी बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह क्या है? ऐसे में इस बार लोगों को आपसे बहुत उम्मीद है?

दर्शकों की उम्मीद जायज है मगर हर फिल्म की रिलीज से पहले नर्वसनेस तो होती ही है। ये आज से नहीं है, ये तो 2003 से है, जब मैंने अपनी पहली फिल्म फुटपाथ की थी। मगर अब सिनेमा बहुत टेस्टिंग हो गया है। ओटीटी आ गया है, लोगों के पास फोन है और एक अलग तरह का डिस्ट्रैक्शन है। फिर जिस तरह की फिल्में हमारे यहां बन रही हैं, वे विषय हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ी हुई नहीं है, तो ये सच है कि हम इस चीज से जूझ रहे हैं। मैं दुआ करता हूं कि हम जल्द से जल्द इस चीज से उबरें। मगर इतना जरूर कहूंगा कि हम लगातार मेहनत करें और अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश करें। वैसे तो हर फिल्मकार एक अच्छी नियत से फिल्म बनाता है। कोई भी अपनी फिल्म का कचरा तो नहीं करना चाहता। मगर ऑडियंस की नब्ज पकड़ना आसान नहीं होता। सिनेमा हॉल में जाने के बाद फिल्म दर्शक की हो जाती है।

आपने जब शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना ज्यादा एक्टिव नहीं था। मगर आज आपकी हर हरकत पर नजर रहती है, तो क्या आप अपने सोशल मीडिया को लेकर अलर्ट रहते हैं?

इसलिए तो मैं इतना ज्यादा ट्वीट नहीं करता। (मुस्कुराते हैं) मुझे तो लगता है कि आजकल बहुत ही संवेदनशील माहौल हो गया है। आज हर किसी के पास अपनी राय रखने का एक जरिया है। समझ में नहीं आता कि लोग ज्यादा सेंसेटिव हो गए हैं या फिर बहुत जल्दी नाराज होने लगे हैं। कोई भी किसी भी बात पर बुरा मान सकता है, तो बहुत ही न्यूट्रल ढंग से चीजों को कहना पड़ता है। पॉलिटिकल, रिलीजियस या फिर निजी भावनाएं हों, कोई भी आहत हो सकता है, तो फिर उस स्पेस में जाने से बचना पड़ता है। आप अगर इसमें से कुछ भी व्यक्त करते हैं, तो आप पर उसकी उल्टी प्रतिक्रिया हो सकती है। एक बैशिंग और एग्रेसिव कैंसल कल्चर भी शुरू हो गया है, जिसके चलते एक कमेंट के कारण आपने इतने सालों में जो कुछ बनाया है, उसे नेस्तनाबूत किया जा सकता है। सब खत्म किया जा सकता है। फिर उसके बाद आपके लिए वापसी का रास्ता नहीं बचता। यह कुछ सेकंड्स में सब जगह फैल जाता है और आप फिनिश हो जाते हो, तो आपको बहुत अलर्ट रहना पड़ता है।

क्या यही कारण है कि आप अपनी पत्नी (परवीन शहानी) और बेटे (अयान) को सोशल मीडिया से दूर रखते हैं?

वे तो खुद सोशल मीडिया पर आना नहीं चाहते और मेरी पहली फिल्म से मेरी पत्नी लाइमलाइट से दूर रही है। मेरी पत्नी चूंकि इस इंडस्ट्री से नहीं हैं तो वे नहीं चाहती कि लोग उन्हें सार्वजनिक रूप से पहचानें। इन सब चीजों से दूर रहकर वे अपनी आजादी का आनंद लेती है। कुछ महीनों पहले वे कुछ खरीददारी कर रही थीं तो लोगों ने उन्हें पहचान लिया और ये बात उनको बिलकुल भी अच्छी नहीं लगी। वे इन चीजों के लिए नहीं बनी हैं। वे आर्टिस्ट नहीं हैं। उनकी इस बात की मैं बहुत इज्जत करता हूं। जहां तक बेटे की बात है, वह कॉलेज में है और मीडिया या सोशल मीडिया पर उसका इतना ध्यान नहीं है। वह अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रहे हैं और इससे डिस्कनेक्टेड है, जो अच्छा ही है। मुझे अपने घर में ऐसा माहौल नहीं चाहिए कि घर के नीचे पपाराजी खड़े हों। यह बहुत आर्टिफिशियल लगता है। हम लोग इसे अपनी लाइफस्टाइल में शामिल नहीं करते।

सभी जानते हैं कि आप एक फाइटर पिता रहे हैं। बेटे अयान को कैंसर होने पर आपने भी एक जंग लड़ी, अब पलटकर देखने पर सबसे ज्यादा स्ट्रेंथ क्या लगती है?

मैं इसके लिए ज्यादा क्रेडिट नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि हर मां-बाप का यही फर्ज होता है। वह जंग तो लड़नी ही थी। हम सभी में वह हिम्मत होती है कि उस जंग से पार पाना है। मैं आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं ही नहीं मेरी बीवी भी यही सोचती है कि हमने उन हालात में हिम्मत कैसे बटोरी। मगर मैं क्या हर पैरंट यही करेगा। आपके सामने जब ऐसे हालत होते हैं, तो उसका सामना करने के साथ-साथ उम्मीद रखना जरूरी होता है।

क्या आप आज भी सीरियल किसर की इमेज से जूझ रहे हैं क्योंकि आप बीते सालों में चीट इंडिया, चेहरे और बार्ड ऑफ ब्लड के बाद ग्राउंड जीरो जैसा गंभीर और अर्थपूर्ण विषय कर रहे हैं?

कितना खुश था मैं कि आपने मुझे सीरियल किलर (टाइगर 3) बना दिया। आपने कुछ तो अलग बोला। मैंने कभी किसी एक इमेज को नहीं भुनाया। मैंने काफी अलग-अलग तरह की फिल्में कीं, मगर वह सीरियल किसर वाली एक इमेज थी, जिसे हम परोस रहे थे। वह इमेज ऑडियंस की नजर में बन गई थी। मगर मैंने हमेशा विविधरंगी भूमिकाएं करने की कोशिश की। मेरे जो फैंस हैं, उन्होंने मेरे अलग तरह के काम को मान्यता भी दी है। मुझे आज भी सीरियल किसर कहने वाले शायद वह लोग हैं, जिन्होंने मेरे एक्सपिरिमेंटल रोल्स नहीं देखे। मेरी वह छवि तो काफी पहले टूट गई थी। अदाकार के रूप में मैं बहुत अलग-अलग फिल्में करना चाहता हूं और ग्राउंड जीरो भी एक अलग किस्म की फिल्म है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ललित कुमार शर्मा द्वारा मैसर्स कुमार आफसैट प्रिन्टर्स, 567, तुराब नगर, गाजियाबाद से मुद्रित कराकर, ए- 574, सैक्टर-9, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद (यू0 पी0) 201009 से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद के लिए निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गाजियाबाद में होगा। संपादक 8802820025, e-mail:phmnews24@gmail.com